http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 140

प्रयागराज बुधवार 05 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

भूटान नरेश और सीएम योगी ने संगम में लगाई डुबकी

● गंगा पूजन के बाद अक्षयवट का किया दर्शन

महाकुंभनगर,(एजेंसी)। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक मंगलवार को महाकुंभ मेला क्षेत्र पहुंचे और त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। वांगचुक के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी स्वतंत्र देव सिंह और नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने भी संगम में डुबकी लगाई। सूचना विभाग द्वारा जारी बयान के मुताबिक, ''भूटान नरेश ने अपने पारंपरिक पोशाक में संगम में स्नान किया, जबकि मुख्यमंत्री अपने भगवा वस्त्र में थे। स्नान करते समय उनके साथ स्वतंत्र देव ने भी भगवा वस्त्र धारण किए हुए थे। स्नान करने वालों में हाल ही में महामंडलेश्वर बनाए गए संतोष दास सतुआ बाबा भी शामिल थे। स्नान के बाद किया गंगा पूजन और आरती की इससे पहले पूर्वाह्न करीब 11:00 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भूटान नरेश विमान के जरिए लखनऊ से प्रयागराज पहुंचे। अरैल घाट से बोट में सवार होकर संगम गए और स्नान किया। गंगा पूजन और आरती की। इसके बाद अक्षयवट धाम और लेटे हनुमान में दर्शन–पूजन किया। इस दौरान भूटान नरेश ने योगी के साथ पक्षियों को दाना खिलाया और फोटो भी खिंचवाई। भूटान नरेश सोमवार को पहुंचे लखनऊ भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक सोमवार को लखनऊ पहुंचे थे जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। सोमवार को हवाईअड्डे पर कलाकारों ने भूटान नरेश के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बाद में भूटान नरेश उत्तर प्रदेश के राजभवन पहुंचे जहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा मुख्यमंत्री ने उनका गरिमापूर्ण स्वागत किया और उनकी मेजबानी की। राजभवन में भूटान नरेश के सम्मान में एक रात्रिभोज का भी आयोजित किया गया, जिसमें भूटान के प्रतिनिधिमंडल, भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख अधिकारियों और विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया।

कांग्रेस नेता के दावे पर राजनाथ सिंह की नसीहत

राहुल को आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत

● संसद में अपने भाषण में भारत–चीन सीमा पर स्थिति पर सेना प्रमुख के बयान पर झूठे आरोप लगाएः राजनाथ सिंह

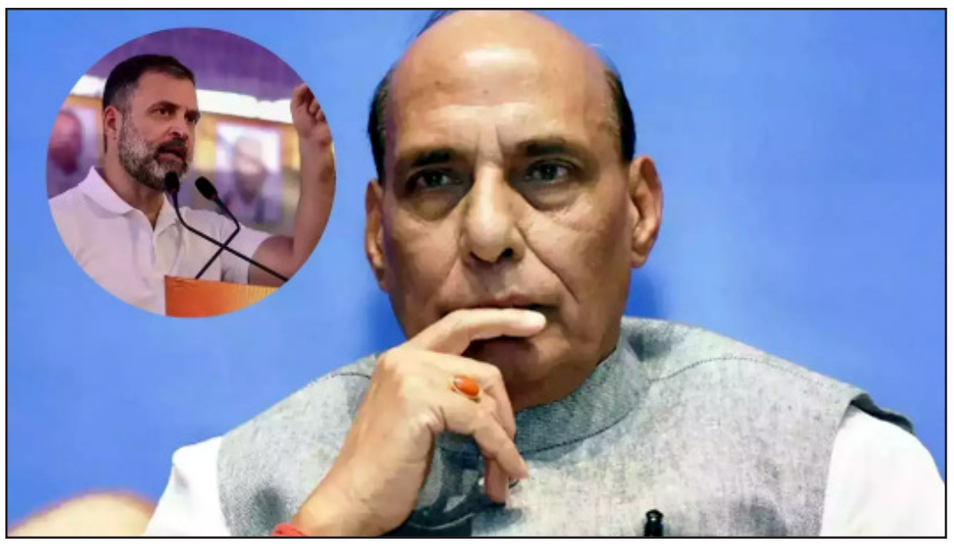

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राजनाथ ने दावा किया कि सरकार ने ये ब्यौरा संसद में साझा किया है। राहुल गांधी ने सेना प्रमुख के लिए जो शब्द कहे, वे शब्द उन्होंने कभी नहीं कहे। यह अत्यंत खेद का विषय है कि राहुल गांधी को राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर गैर–जिम्मेदाराना राजनीति कर रहे हैं। लोकसभा में चीन को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दावे के बाद सिसायी बवाल बढ़ गया है। राहुल गांधी के दावे पर अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पलटवार किया है। राजनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि राहुल गांधी ने 03 फरवरी 2025 को संसद में अपने भाषण में भारत–चीन सीमा पर स्थिति पर सेना प्रमुख के बयान पर झूठे आरोप लगाए। सेना प्रमुख की टिप्पणी में केवल दोनों पक्षों द्वारा पारंपरिक गश्त में गड़बड़ी का जिक्र था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हालिया विघटन के हिस्से के रूप में इन प्रथाओं को उनके पारंपरिक पैटर्न पर बहाल कर दिया गया है। राजनाथ ने दावा किया कि सरकार ने ये ब्यौरा संसद में साझा किया है। राहुल गांधी ने सेना प्रमुख के लिए जो शब्द कहे, वे शब्द उन्होंने कभी नहीं कहे। यह अत्यंत खेद का विषय है कि राहुल गांधी को राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर गैर–जिम्मेदाराना राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई भारतीय क्षेत्र है जिसमें चीन आ गया है, तो यह 1962 के युद्ध के परिणामस्वरूप अक्साई चिन में 38,000 वर्ग किमी और 5,180 वर्ग किमी है। 1963 में पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से चीन को सौंप दिया गया। राहुल गांधी हमारे इतिहास के इस चरण के बारे में आत्मनिरीक्षण करने पर विचार कर सकते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चीन के प्रवक्ता से भी ज्यादा पड़ोसी देश की तारीफ की। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने सदन के अंदर जो बातें की हैं उन्हें सत्यापित करना चाहिए, अन्यथा आसान को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने सदन के भीतर चीन के प्रवक्ता से भी ज्यादा चीन की तारीफ की है। रीजीजू ने दावा किया, भारत की संसद के अंदर उन्हें जिस तरह से चीन का गुणगान किया ऐसा मैंने कभी नहीं सुना था।

महाकुंभ में भगदड़: कोई बहुत बड़ी घटना नहीं: हेमा मालिनी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। हेमा मालिनी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि यह कितना बड़ा था। इसे बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ प्रशासन का बचाव करते हुए, भाजपा सांसद ने कहा कि यह बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित किया गया था, और सब कुछ बहुत अच्छे से किया गया था भारतीय जनता पार्टी की सांसद हेमा मालिनी ने मंगलवार को कहा कि महाकुंभ में हुई भगदड़ कोई बहुत बड़ी घटना नहीं थी और स्थिति को बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। आपको बता दें कि 28 जनवरी को प्रयागराज में हुई भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इसके बाद से विपक्ष लगातार राज्य सरकार पर सवाल खड़े कर रहा है। इसी को लेकर हेमा मालिनी ने कहा कि हम कुम्भ गये, हमने बहुत अच्छा स्नान किया। ये सही है कि घटना हुई थी, लेकिन वो कोई बहुत बड़ी घटना नहीं थी। हेमा मालिनी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि यह कितना बड़ा था। इसे बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ प्रशासन का बचाव करते हुए, भाजपा सांसद ने कहा कि यह बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित किया गया था, और सब कुछ बहुत अच्छे से किया गया था। इतने सारे लोग आ रहे हैं, इसे प्रबंधित करना बहुत मुश्किल है लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। यह प्रतिक्रिया समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव द्वारा महाकुंभ भीड़ के कुप्रबंधन और आत्म–प्रचार पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए यूपी सरकार की आलोचना के बाद आई।

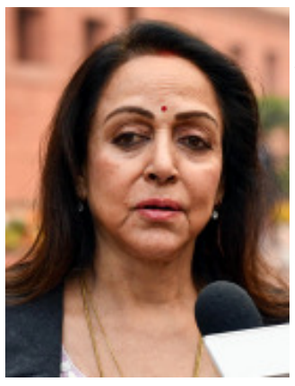

'कानून के तहत काम कर रहे अधिकारी'

● बार–बार चुनाव आयोग की छवि खराब करने की कोशिश

● चुनाव आयोग के 1.5 लाख कर्मचारी कर रहे काम

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली चुनाव के बीच चुनाव आयोग ने एक पोस्ट साझा किया है। जिसमें लिखा है कि दिल्ली चुनाव में आयोग की छवि खराब करने की कोशिश की गई है। कानून के तहत 1.5 लाख अधिकारी काम कर रहे हैं। बार–बार चुनाव आयुक्त पर निशाना साधा जा रहा है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के बीच चुनाव आयोग का बड़ा बयान सामने आया है। राजनीतिक दलों के द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए जा रहे आरोपों का जवाब दिया गया है। चुनाव आयोग ने कहा कि तीन सदस्यीय आयोग ने सामूहिक रूप से चुनावों में चुनाव आयोग को बदनाम करने के लिए बार–बार जानबूझकर दबाव बनाने की रणनीति पर ध्यान दिया। आगे कहा कि लोगों को लगता है कि जैये ये एक एकल सदस्यीय निकाय है। लेकिन इसने संवैधानिक संयम बरतने का निर्णय लिया गया है। इस तरह के आक्षेपों को बुद्धिमत्तापूर्वक, धैर्यपूर्वक सहन किया है और इससे प्रभावित नहीं हुआ है। श्चुनाव आयोग के 1.5 लाख कर्मचारी कर रहे कामश चुनाव आयोग ने एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि दिल्ली चुनाव में राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की ओर से उठाए गए मुद्दों पर 1.5 लाख से अधिक अधिकारी काम कर रहे हैं। उठाए गए मुद्दों पर कार्रवाई की जा रही है, जो निष्पक्ष और गैर–पक्षपातपूर्ण हो रही है। सारे अधिकारी मजबूत प्रक्रियाओं और एसओपी के तहत काम कर रहे हैं। जानकारी के लिए बता दें कि आम आदमी पार्टी की ओर से लगातार चुनाव आयोग के कार्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ताजा मामला दिल्ली में आचार संहिता को लेकर है। जहां सीएम आतिशी ने भाजपा समर्थकों की आयोग से शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सीएम आतिशी के खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया और वहीं भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के बेटे के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कर ली। जिसके बाद मुख्यमंत्री आतिशी और राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कार्रवाई पर सवाल उठाए। सीएम आतिशी ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठाए सवाल सीएम आतिशी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि चुनाव आयोग भी गजब है। रमेश बिधूड़ी के परिवार के सदस्य खुले–आम आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। उन पर कोई एक्शन नहीं है। मैंने शिकायत की, पुलिस और चुनाव आयोग को बुलाया। इन्होंने मेरे ऊपर केस दर्ज कर दिया। राजीव कुमार जी आप चुनावी प्रक्रिया कि कितनी धज्जियां उड़ायेंगे।

नीतीश सरकार में भष्ट्राचार चरम परः तेजस्वी

पटना,(एजेंसी)। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने प्रदेश में विधि व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार पर हमला बोला और कहा कि प्रदेश में भष्ट्राचार चरम पर है और प्रशासनिक अराजकता फैल चुकी है। श्री याादव ने मंगलवार को मीडिया में जारी बयान में आरोप लगाते हुये कहा है कि श्री कुमार के कारण प्रदेश में प्रशासनिक अराजकता फैल चुकी है।श्री कुमार खघ्द गृहमंत्री है, इसलिए पुलिस में भ्रष्टाचार चरम पर है। मधुबनी में पुलिस ने तांडव मचा रखा है। जब मर्जी किसी को भी पुलिस मार देती है। श्री यादव ने श्री कुमार की सरकार को चेतावनी देते हुये कहा कि हमारी सरकार आयें ना आए हमें कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन समाज में अन्याय, अत्याचार और भेदभाव हम हरगिज सहन नहीं करेंगे और ना होने देंगे। यदि किसी ने मुसलमानों की तरफ बुरी नजर से देखा तो फिर उन बुरी नजर वालों की सही नजर करना हमें हर तरीके से आता है। ये पुलिस और प्रशासन के लोग कान खोलकर सुन लें, आप लोग जनता के नौकर हो, सेवक हो। इसी जनता के पैसे से तुम्हें तनख्वाह मिलती है।हमारी पार्टी ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध मानवाधिकार आयोग भी जाएगी और उनकी सजा सुनिश्चित करेगी। श्री यादव ने आरोप लगाते हुये कहा कि दरभंगा।

गुजरात में भी समान नागरिक संहिता की तैयारी

● मसौदा तैयार करने के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित

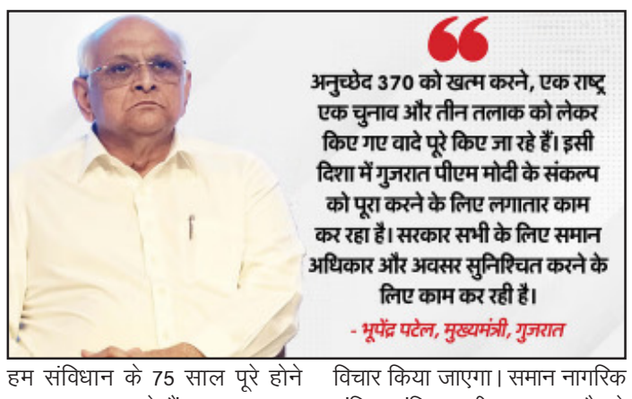

गांधीनगर,(एजेंसी)। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा, श्यूसीसी समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत) रंजना देसाई करेंगी। सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सीएल मीना, अधिवक्ता आरसी कोडेकर, पूर्व कुलपति दक्षेश ठाकर और सामाजिक कार्यकर्ता गीता श्रॉफ भी इस समिति का हिस्सा हैं।श उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की तैयारी शुरू कर दी गई है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने और कानून बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति गठित की गई है। समिति 45 दिनों में राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके आधार पर सरकार निर्णय लेगी। गुजरात के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भारत का संविधान नागरिकों के कर्तव्यों को पूरा करने के लिए है। पटेल ने कहा, श्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस साल हम संविधान के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। उनका लक्ष्य पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू करना है, ताकि सभी को समान अधिकार मिलें।श अनुच्छेद 370 को खत्म करने और तीन तलाक पर रोक लगाने का हवाला देते हुए सीएम पटेल ने कहा कि अनुच्छेद 370 को खत्म करने, एक राष्ट्र एक चुनाव और तीन तलाक को लेकर किए गए वादे पूरे किए जा रहे हैं। इसी दिशा में गुजरात पीएम मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहा है। सरकार सभी के लिए समान अधिकार और अवसर सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। गुजरात के गृह मंत्री ने क्या कहा? गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि रिपोर्ट तैयार करने में सभी पहलुओं पर विचार किया जाएगा। समान नागरिक संहिता संविधान की वह भावना है जो समरसता और समानता स्थापित करेगी। गुजरात के सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले, इसके लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने यूसीसी समिति का गठन किया है। इसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना देसाई करेंगी। सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सीएल मीना, अधिवक्ता आरसी कोडेकर, पूर्व कुलपति दक्षेश ठाकर और सामाजिक कार्यकर्ता गीता श्रॉफ भी इस समिति में शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने इस समिति को अगले 45 दिनों में इस पर विस्तृत शोध करने और सरकार को एक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बना था।

महाराष्ट्र राहुल को माफ नहीं करेगा: फडणवीस

मुंबई,(एजेंसी)। नवंबर में हुए चुनावों में देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा ने 132 सीटों के साथ राज्य में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था, जबकि कांग्रेस को केवल 16 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। फडणवीस ने कहा, श्आत्मचिंतन करने के बजाय आप बेतुके आरोप लगाकर बदनाम करने के कार्यों में लिप्त हैं। महाराष्ट्र की जनता आपको इसके लिए माफ नहीं करेगी।श महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी पर करारा पलटवार किया है। उन्होंने कांग्रेस सांसद को आत्मचिंतन करने और माफी मांगने की भी सलाह दी है। जवाब कांग्रेस नेता की ओर से लगाए गए राज्य विधानसभा के चुनावी नतीजों में धांधली के आरोपों के बाद आया। राहुल ने लोकसभा में आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र चुनाव में जिन निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा ने जीत दर्ज की है, उनमें से अधिकतर में नए मतदाता जोड़े गए थे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि लोकसभा और राज्य चुनावों के बीच महाराष्ट्र में मतदाता सूची में हिमाचल प्रदेश की जनसंख्या के बराबर लगभग 70 लाख मतदाता जोड़े गए। इस पर फडणवीस ने पलटवार करते हुए कहा, श्महाराष्ट्र का अपमान करने के बजाय आत्मचिंतन करें। आपने छत्रपति शिवाजी महाराज, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, महात्मा फुले और वीर सावरकर की भूमि महाराष्ट्र के लोगों का अपमान किया है। आपने एनडीए को महाराष्ट्र के लोगों द्वारा दिए गए लोकतांत्रिक जनादेश पर सवाल उठाया है, क्योंकि आपकी पार्टी पराजित हुई है।श भाजपा ने 132 सीटों के साथ राज्य में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। नवंबर में हुए चुनावों में देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा ने 132 सीटों के साथ राज्य में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

चुनाव आयोग और पुलिस के साथ मिलकर चुनाव में धांधली कर रही बीजेपी: सिसोदिया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व दिल्ली शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को चुनाव आयोग (म्) और दिल्ली पुलिस पर भाजपा के साथ मिलकर दिल्ली चुनावों में धांधली करने का गंभीर आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री आतिशी के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में चुनावी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हो रही है, जहां भाजपा समर्थक खुलेआम हिंसा, गुंडागर्दी और मतदाताओं को धमका रहे हैं। म्और पुलिस के दम पर चुनाव लड़ रही बीजेपी– सिसोदिया सिसोदिया ने कहा, ष्हमारे देश का चुनाव आयोग पहले पूरे विश्व में आदर्श था, लेकिन अब इसका कामकाज देखने से ऐसा लगता है जैसे भाजपा ने चुनाव आयोग को चुनाव चलाने की जिम्मेदारी दे दी हो।ष उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने दम पर चुनाव नहीं लड़ रही है, बल्कि चुनाव आयोग और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है। सिसोदिया ने कहा कि सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए हैं जो यह साफ दिखाते हैं कि भाजपा के गुंडे पिछले कुछ दिनों से हिंसा और धमकियों में शामिल हैं। ।।च कार्यकर्ताओं को धमका रहे बीजेपी समर्थक उन्होंने जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा समर्थक खुलेआम ।।च के कार्यकर्ताओं, खासकर महिला कार्यकर्ताओं को धमकियां दे रहे हैं, जैसे ष्हम शिक्षित हैं, हमारे बच्चे शिक्षित हैं, अगर तुम हमारे खिलाफ बोलोगी तो हम तुम्हें तेजाब फेंक देंगे।ष सिसोदिया ने यह भी बताया कि युवा मतदाता भी भाजपा समर्थकों की धमकियों का शिकार हो रहे हैं, जहां वे उन्हें यह कहकर डराते हैं कि ष्अगर तुम हमारे खिलाफ वोट दोगे, तो तुम्हारा चेहरा किसी को नहीं दिखेगा।ष चुनाव आयोग की निष्क्रियता पर खड़े किए सवाल चुनाव आयोग की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए सिसोदिया ने कहा, ष्पुलिस उन लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, जो इन घटनाओं की शिकायत कर रहे हैं। पुलिस और चुनाव आयोग कुछ नहीं कर रहे हैं।ष सिसोदिया ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील करते हुए कहा, ष्आप दिल्ली में चुनावी रैलियां कर रहे हैं, लेकिन आपकी पार्टी के लोग ही हिंसा फैला रहे हैं। इसे रोकने की जरूरत है।ष सिसोदिया ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा समर्थक झुग्गी–झोपड़ी वालों से वोटर आईडी जबरदस्ती छीन रहे हैं और उन्हें धमका रहे हैं।

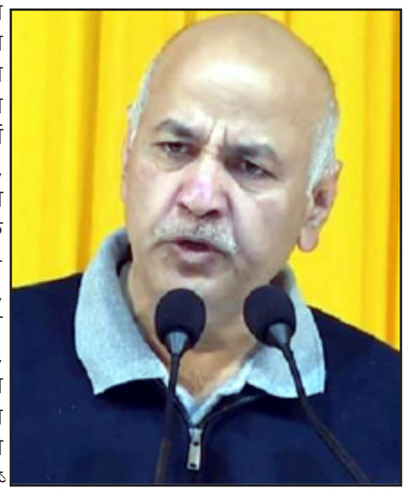

कि ष्अगर तुम वोट डालने गए, तो हमारी नजर तुम पर होगी।ष भाजपा जीती तो दिल्ली में माफिया राज होगा– सिसोदिया उन्होंने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए।

तो भुगतने पड़ सकते हैं दुष्परिणाम

इंटरनेट पर अक्सर बच्चे यौन उत्पीडन का शिकार हो जाते हैं और अभिभावकों को इसकी भनक तक नहीं लग पाती। जैसेकृजैसे हम इस सुविधा पर आश्रित हुए, वैसेकृवैसे इसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगे हैं। एक ताजा अध्ययन इस चिंता को और बढ़ाने वाला है जिसमें कहा गया है कि दुनिया भर में हर 12 में से एक बच्चा किसी ने किसी रूप में ऑनलाइन यौन उत्पीडन का शिकार हो रहा है। एडिनबर्ग विश्वविद्यालय और चीन कृषि विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के इस अध्ययन में 2010 से 2023 तक के 123 अध्ययनों का विश्लेषण कर इस रिपोर्ट में बताया गया है कि हर सेकंड में 10 बच्चे ऑनलाइन यौन उत्पीडन का शिकार हो रहे हैं। वहीं चाइल्डगेट के अध्ययन में वर्ष 2024 के अंत में सालाना यौन उत्पीडन के शिकार बच्चों की संख्या का अनुमान 30 करोड़ लगाया गया है।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी भी देश के भौतिक, आर्थिक या तकनीकी विकास में इंटरनेट का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। आज आपसी सम्पर्क, खरीदारी, लेखन, नवनिर्माण, मनोरंजन सहित नवाचार के विभिन्न साधनों में इंटरनेट एक प्रमुख जरिया बन गया है। लेकिन यह जिस तरह से अपराध का मंच भी बनता जा रहा है वह भविष्य के खतरे की ओर आगाह करने वाला है। इंटरनेट की दुनिया के इस आपराधिक प्रभाव का असर बच्चों की मानसिक और शारीरिक विकास पर पड़ रहा है। विशेष रूप से विकासशील देशों में यह एक बड़ी समस्या के रूप में उभर कर सामने आयी है, जहां इस प्रकार के उत्पीडन के अधिकांश मामले रिपोर्ट ही नहीं किए जाते हैं।

बच्चे ही नहीं वयस्क भी इंटरनेट के शिकंजे में फंसने लगे हैं। लोग मानसिक तनाव, रिश्तों में समस्या या अन्य परेशानियों में अब परिवार या मित्रों की बजाय इंटरनेट का सहारा लेने लगे हैं। सोशल मीडिया की बढ़ती इस लत को फबिंग कहा जाता है, यह आदत व्यक्ति की वास्तविक संवाद से दूर कर असामाजिक प्रवृत्तियों को बढ़ावा दे रही है। इस दुनिया की चकाचौंध का असर ऐसा है कि कभी अपनों को करीब लाने वाली ये सुविधा अब दूरी बढ़ाने का कारण भी बन गई है। बच्चे अपने परिजनों से ज्यादा इस दुनिया पर भरोसा करने लगे हैं।बच्चों के सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर कुछ देशों ने कानून भी बनाए है लेकिन ये नाकाफी साबित हो रहे हैं। आज जरुरत इंटरनेट के दुरुपयोग से मुकाबले के लिए वैश्विक स्तर पर एक संयुक्त प्रयास हों। बच्चों और व्यस्कों में एक लत की तरह घुसपैठ कर चुके इंटरनेट पर समय रहते लगाम नहीं लगाई गई तो परिणाम भयावह होते देर नहीं लगने वाली।

अमेरिका के साथ भारत के संबंध अब भी अच्छे

एस. सुनील

ट्रंप का एक और भाषण जो भारत में बहुत प्रसारित हुआ उसमें उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया। ट्रंप ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर जो अत्याचार हो रहा है वह बर्बर है। दुनिया का कोई नेता, जब बांग्लादेश में प्रताड़ित हो रहे हिंदओं के पक्ष में खड़ा नहीं हुआ तो ट्रंप हुए। क्या यह कोई मामूली बात है? क्या इस पर भारत के लोगों को खुशी नहीं मनानी चाहिए?

डोनाल्ड ट्रंप लौट आए हैं। अमेरिका के इतिहास में 131 साल में वे पहले राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने कमबैक किया है। चार साल राष्ट्रपति रहने और फिर बेहद कड़वाहट भरे चुनाव में हार कर सत्ता से बाहर होने के बाद वापसी करके ट्रंप ने दिखाया है कि वे एक योद्धा हैं। उनके ऊपर महाभियोग चला। कई मुकदमे हुए। मुकदमे में सजा हुई। चुनाव प्रचार के दौरान उनके ऊपर गोली चली। लेकिन वे मैदान में डटे रहे और चुनाव जीता। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नतीजों के 24 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद जब बधाई दी तो उनके साहस और योद्धा वाली भावना की तारीफ की और कहा कि वे ट्रंप के साथ यूक्रेन युद्ध पर बात करने के लिए तैयार हैं। ध्यान रखने की जरुरत है कि ट्रंप ने चुनाव प्रचार में कहा था कि वे राष्ट्रपति बनने के बाद एक घंटे में यूक्रेन का युद्ध रूकवा देंगे। ट्रंप की जीत के बाद पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलदोमीर जेलेंस्की दोनों उम्मीद कर रहे हैं कि वे युद्ध खत्म कराएंगे। अगर ऐसा होता है तो सोचिए यह दुनिया के लिए कितनी राहत की बात होगी!

दुनिया का हर देश ट्रंप के लौटने को अपने हिसाब से देख रहा है और उस पर प्रतिक्रिया दे रहा है। यूरोप के देशों खास कर फ्रांस और जर्मनी की प्रतिक्रिया सधी हुई लेकिन आशंका वाली थी। ट्रंप के आने के बाद इमैनुएल मैक्रों और ओलाफ शुल्ज दोनों यूरोपीय संघ की एकजुटता की बात कर रहे हैं। ब्रिटेन की प्रतिक्रिया सामान्य थी लेकिन सबको पता है कि लेबर प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोई बड़े प्रशंसक नहीं हैं। चीन के राष्ट्रपति ने तो उनको जीत पर निजी तौर पर बधाई ही नहीं दी। कुल मिला कर दुनिया के दो देश ऐसे हैं, भारत और इजराइल, जिनकी प्रतिक्रिया वास्तविक अर्थों में ट्रंप की जीत पर खुशी और संतोष वाली थी। इसी खुशी और संतोष के अंदाज में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने श्अपने दोस्त डोनाल्ड ट्रंप्य को बधाई दी। नतीजों के तुरंत बाद उन्होंने बधाई दी और उसके थोड़ी देर बाद दोनों की बातचीत भी हुई, जिसकी जानकारी खुद प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी।आश्चर्य नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर आम भारतीय नागरिकों ने भी खुशी मनाई। भारत के लोगों ने उनके भाषणों के वीडियो शेयर किए। उनके दो भाषण सबसे ज्यादा शेयर किए गए। अपने एक भाषण में ट्रंप ने कहा कि, श्मैं हिंदुओं का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मैं भारत का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। अगर मैं चुनाव जीता तो हिंदुओं का, भारतीयों का एक सच्चा दोस्त व्हाइट हाउस में होगाय। उन्होंने आगे कहा, श्भारतीय हिंदुओं की कई पीढियों ने हमारे देश अमेरिका को मजबूत बनाने में बड़ी भूमिका निभाई हैय। अमेरिका में राष्ट्रपति के चुनाव के 256 साल के इतिहास में किसी राष्ट्रपति ने भारत और हिंदुओं के बारे में इतनी सकारात्मक, सार्थक और अच्छी बातें नहीं कही हैं। ट्रंप का एक और भाषण जो भारत में बहुत प्रसारित हुआ उसमें उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया। ट्रंप ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर जो अत्याचार हो रहा है वह बर्बर है। दुनिया का कोई नेता, जब बांग्लादेश में प्रताड़ित हो रहे हिंदओं के पक्ष में खड़ा नहीं हुआ तो ट्रंप हुए। क्या यह कोई मामूली बात है? क्या इस पर भारत के लोगों को खुशी नहीं मनानी चाहिए?

ट्रंप की जीत पर भारतीयों के खुशी मनाने के एक नहीं कई कारण हैं। एक कारण तो यह है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके निजी संबंध बहुत अच्छे हैं। वे हमेशा प्रधानमंत्री की तारीफ करते रहे हैं और कई मौकों पर कहा है कि भारत के हितों की रक्षा के लिए श्री नरेंद्र मोदी कुछ भी कर सकते हैं। दोनों नेताओं के निजी संबंधों की केमिस्ट्री कैसी है यह टेक्सास के ह्यूस्टन में हुए श्हाउडी मोदीय और अहमदाबाद में हुए श्नमस्ते ट्रंप्य कार्यक्रम में दिखा। एक कार्यक्रम में अमेरिका में मोदी, मोदी के नारे लगे थे तो दूसरे में भारत में ट्रंप, ट्रंप के नारे लगे थे। दुनिया के दो सबसे बड़े और जीवंत लोकतांत्रिक देशों के नेताओं के हित एकाकार हो गए दिखते हैं। ट्रंप की जीत और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके प्रगाढ़ संबंधों से इस बात की गारंटी है कि अब दुनिया में कहीं भी भारत के और हिंदुओं के हितों को नुकसान पहुंचाने वालों की खैर नहीं होगी।

दुनिया जानती है कि आतंकवाद से सबसे ज्यादा पीड़ित देश भारत है। भारत का एक पड़ोसी देश दशकों से छद्म युद्ध छेड़े हुआ है। प्रधानमंत्री

श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा और मजबूत होती आर्थिकी से परेशान अनेक वैश्विक ताकतें भारत विरोधी गतिविधियों में जुट गई हैं। अमेरिका से लेकर ब्रिटेन और कनाडा तक की सरजमीं से भारत विरोधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। भारत के टुकड़े टुकड़े करने की इच्छा रखने वालों को मदद दी जा रही है। अलगाववादियों को शरण मिल रही है। डोनाल्ड ट्रंप की आतंकवाद पर सख्त नीति से ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगेगी। कनाडा और अमेरिका में बैठ कर भारत के खिलाफ अभियान चलाने वाली ताकतें कमजोर होंगी। अलगाववादियों के प्रत्यर्पण का रास्ता भी साफ होगा। अमेरिका से हाल के दिनों में जो तनाव बना था उसमें कमी आएगी।

अमेरिका के बाद कनाडा में सत्ता परिवर्तन की बारी है। डोनाल्ड ट्रंप के सबसे मुखर समर्थक और दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति इलॉन मस्क ने कहा है कि अगले चुनाव में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो हारेंगे। गौरतलब है कि मस्क ने ट्रंप के समर्थन में अपना सब कुछ दांव पर लगाया था। दुनिया के किसी कारोबारी ने कभी भी राजनीति में जो नहीं किया होगा वह मस्क ने किया। उन्होंने ट्रंप के प्रचार में करोड़ों डॉलर खर्च किए। मस्क ने ही अर्ली वोटिंग में हर दिन एक मतदाता को 10 लाख डॉलर देने का ऐलान करके ट्रंप का माहौल बनाया। तभी पांच नवंबर को हुए मतदान से पहले ही अर्ली वोटिंग में आठ करोड़ से ज्यादा वोट पड़े और ट्रंप के जीतने का आधार पहले ही बन गया था। अभिव्यक्ति की आजादी, निर्बाध व्यापार की स्वतंत्रता, लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्धता और आतंकवाद विरोध के विचार में मस्क ने ट्रंप का साथ दिया। इसी सोच में वे कनाडा में ट्रूडो सरकार की विदाई का बंदोबस्त भी करेंगे। सोचिए यह भारत के लिए कितनी सुखद बात होगी कि अपनी मूर्खता और स्वार्थ से भरी राजनीति में भारत और कनाडा के संबंधों को तहस नहस करने वाले जस्टिन ट्रूडो विदा होंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा पाकिस्तान को एक मवाली मुल्क माना है। उन्होंने राष्ट्रपति रहते उसकी मदद रोक दी थी। जो बाइडेन के शासन में फिर से पाकिस्तान को मदद मिलनी शुरू हुई है। लेकिन अब इस बात की पूरी संभावना है कि डोनाल्ड ट्रंप के राज में पाकिस्तान फिर अलग थलग होगा। उसे अमेरिका से कोई मदद नहीं मिलेगी। इतना ही विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ जैसी संस्थाओं से भी पाकिस्तान को जो मदद मिल रही है वह बंद होगी। यह सामान्य सामरिक समझ की बात है कि अगर पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक मदद बंद होती है तो उसके यहां फल फूल रहे आतंकवाद के नेटवर्क की कमर टूटेगी, जिसका सबसे बड़ा फायदा भारत को होगा। इससे भारत के खिलाफ चल रहा छद्म युद्ध कमजोर पड़ेगा। इसी तरह राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप पहले कार्यकाल की तरह इजराइल और अरब के देशों के बीच संबंधों को सामान्य करने का प्रयास करेंगे। अगर अमेरिका, इजराइल और अरब देशों के संबंध सामान्य होते हैं तो यह भारत के लिए सामरिक और आर्थिक दोनों नजरिए से अच्छा होगा।

रूस और चीन के साथ ट्रंप के संबंध उलझे हुए हैं। परंतु इस उलझाव के बावजूद वे जो भी नीति अख्तियार करेंगे उससे भारत को फायदा ही होगा। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने जिस तरह से ट्रंप के प्रति रुख दिखाया है उससे लगता है कि रूस और अमेरिका के संबंधों में भी सामान्यीकरण की शुरुआत होगी। बाइडेन प्रशासन में दोनों के संबंध तनाव वाले रहे। तभी भारत के लिए भी अपने पुराने और आजमाए हुए दोस्त रूस के साथ कारोबारी या सामरिक संबंधों में मुश्किलें आईं। पिछले ही दिनों खबर आई कि अमेरिका ने भारत की 19 कंपनियों को इसलिए काली सूची में डाल दिया क्योंकि वे रूस के साथ कारोबार कर रही थीं। ट्रंप के कार्यकाल में इस तरह की घटनाएं नहीं होंगी। इससे रूस के साथ भारत के आर्थिक और रक्षा संबंध मजबूत होंगे। इसी तरह ट्रंप कह चुके हैं कि वे चीनी उत्पादों पर दो सौ फीसदी आयात शुल्क लगाएंगे। चीन जो दुनिया की फैक्टरी बना हुआ है, उसका यह स्टैटस ट्रंप खत्म करना चाहेंगे और ऐसे में उनकी व दुनिया की पहली पसंद भारत होगा। अगर चीन से व्यापार में कमी आती है तो भारत के साथ व्यापार बढ़ सकता है। भारत में सेमी कंडक्टर सहित दूसरे उत्पादों के निर्माण की नई इकाइयों के लिए भी रास्ता बनेगा।अगर सामरिक मामले की बात करें तो अमेरिका के साथ भारत के संबंध अब भी अच्छे हैं। हाल ही में भारत ने अमेरिका से 32 हजार करोड़ रुपए की हथियार खरीद का समझौता किया है। भारत 31 प्रिडेटर ड्रोन खरीद रहा है। परंतु ट्रंप के शासन में भारत को अमेरिका का विशेष लड़ाकू विमान एफ 35 भी मिल सकता है। राफेल के बाद अगर एफ 35 लड़ाकू विमान भारत को मिलता है तो भारत की वायु प्रतिरक्षा ताकत कितनी बढ़ जाएगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। क्वाड से लेकर फाइव आइज देशों के साथ भारत के संबंध बेहतर होंगे और इन देशों के साथ खुफिया सूचनाओं की साझेदारी भी बढ़ेगी। सो, हिंदू हितों की बात हो या भारत की आर्थिक, सामरिक या कूटनीतिक ताकत का मामला हो, ट्रंप हर मोर्चे पर भारत के सच्चे मित्र साबित होंगे।

सुरक्षा की हकदार हैं महिलाएं

महिलाओं के प्रति हिंसा की गहरी होती जड़ों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुरक्षा और प्रेम का प्रतीक माने जाने वाले परिवार में ही महिलाएं सर्वाधिक असुरक्षित हैं। यह आंकड़ा सचमुच चौंकाने वाला है कि दुनिया में प्रतिदिन औसतन 140 महिलाओं दृ लड़कियों की हत्या उनके जीवनसाथी या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा की जा रही है। यह आंकड़ा समाज की पितृसत्तात्मक मानसिकता, कमजोर कानून व्यवस्था और महिलाओं के प्रति समाज की सोच को भी दर्शाता है। देखा जाए तो यह समस्या केवल एक समाज या देश की नहीं, बल्कि वैश्विक संकट है, जिसमें महिलाओं के बुनियादी मानवाधिकारों का सीधा उल्लंघन हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी 'फेमिसाइड इन 2023' रिपोर्ट इसलिए भी चिंताजनक है कि महिलाओं की घर पर ही हत्या के आंकड़े कम होने की जगह बढ़ रहे हैं। वर्ष 2022 में 48,800 महिलाओं की हत्या की गई थी जबकि पिछले साल यह आंकड़ा बढ़कर 51100 पर पहुंच गया। महिलाओं के प्रति ऐसी क्रूरता अफ्रीका में सबसे ज्यादा है। अमरीका, फ्रांस और यूरोप के अन्य विकसित देशों में भी घरेलू हिंसा का शिकार होने वाली महिलाओं का प्रतिशत 64 से 79 तक पहुंचना इस समस्या के गंभीर रूप लेने की ओर इशारा कर रहा है। यह समस्या बहुआयामी है। इसकी जिम्मेदारी किसी एक पक्ष पर डालना उचित नहीं होगा। इसके लिए कई सामाजिक, सांस्कृतिक और संस्थागत कारण जिम्मेदार माने जा सकते हैं। यूएन की रिपोर्ट इस ओर भी इशारा करती है कि आधुनिक समाज में भी पुरुषों द्वारा महिलाओं को अपनी सम्पत्ति माना जा रहा है। महिलाओं को पुरुषों के अधीन ही समझा जा रहा है। महिलाओं की स्वतंत्रता, शिक्षा, और अधिकारों को सीमित करने की पुरुषों की प्रवृत्ति इस प्रकार की हिंसा को जन्म दे रही है। एक तथ्य यह भी है कि आर्थिक रूप से पुरुषों पर निर्भरता भी महिलाओं को घरेलू हिंसा और दुर्व्यवहार सहने को मजबूर करती है।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए दुनिया भर में कानून बने हुए हैं। इसके बावजूद महिलाओं पर अत्याचार के मामले नहीं थम रहे हैं। जाहिर है इन कानूनों का सख्ती से क्रियान्वयन नहीं हो रहा। अपराधियों को शीघ्रता से सजा नहीं हो पाती, घरेलू हिंसा बढने का यह भी कारण है। महिलाओं का सम्मान और उनकी सुरक्षा बेहद आवश्यक है। असल में महिलाओं की सुरक्षा सामाजिक प्रगति का बड़ा आधार है। महिला सुरक्षा केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। शिक्षा, कानून और सामाजिक सोच में बदलाव के माध्यम से इस गंभीर समस्या को समाप्त किया जा सकता है। इस मुद्दे को लेकर हर वर्ग में जागरूकता भी आवश्यक है।

भारतीय रेलवे: पहले से कहीं ज़्यादा सुरक्षित

ए.के.खंडेलवाल

भारतीय रेलवे में सुरक्षा पहले से कहीं अधिक बेहतर हो गई है, जिसका श्रेय पिछले दशक में की गई योजनाबद्ध पहलों को दिया जा सकता है। भारतीय रेलवे दुनिया का सबसे व्यस्त यात्री परिवहन नेटवर्क है और रेल–यात्री परिवहन में इसका विश्व में पहला स्थान है। रेलवे हर साल 1 लाख करोड़ यात्री किलोमीटर (पीकेएम) से अधिक की दूरी तय करती है और 685 करोड़ से अधिक यात्रियों को सफर कराती है। यह आँकड़ा चीन से भी काफी बड़ा है, जहाँ अपने विशाल नेटवर्क और आबादी के बावजूद लगभग 300 करोड़ यात्री ही रेल का उपयोग करते हैं।

सुरक्षा में इस उल्लेखनीय सुधार का प्रमाण दुर्घटनाओं की घटती संख्या से मिलता है। जहाँ 2000–01 में 473 बड़ी रेल दुर्घटनाएँ हुई थीं, वहीं 2023–24 में यह संख्या घटकर केवल 40 रह गई है। यह गिरावट ट्रैक सुधार, मानव रहित लेवल क्रॉसिंग को हटाने, पुलों की स्थिति की नियमित निगरानी और डिजिटल तकनीक के प्रयोग से संभव हुई है।

रेलवे के सुरक्षा प्रयासों को यात्री और पटरियों की लंबाई के आधार पर और भी सराहा जा सकता है। प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक लोग 70,000 किलोमीटर लंबे नेटवर्क पर यात्रा करते हैं। त्यौहारों के समय यह संख्या 3 करोड़ तक पहुँच जाती है। इसका मतलब है कि भारत में प्रतिदिन लगभग 2त्न लोग सुरक्षित रूप से रेल से सफर करते हैं, जबकि चीन में यह आँकड़ा 0.58त्न और अमेरिका में मात्र 0.09त्न है।

भारतीय रेलवे के लिए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह 2023–24 में सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाओं में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से स्पष्ट होता है, और चालू वित्त वर्ष में इससे भी अधिक खर्च करने की योजना है। इसका उद्देश्य रेलों, पुलों, पटरियों और संकेत प्रणालियों के रखरखाव में सुधार करना है। साथ ही, ओवर– और अंडर–ब्रिज के निर्माण के माध्यम से पटरियों के निकट की सड़क सुरक्षा में भी सुधार किया जाएगा।

रेलवे सुरक्षा प्रदर्शन का एक प्रमुख सूचकांक श्प्रति दस लाख ट्रेन किलोमीटर पर दुर्घटना की संख्याय (एपीएमटीके) है, जो 2000–01 में 0.65 से घटकर 2023–24 में 0.03 पर आ गया है। यह सुधार अत्याधुनिक तरीकों और उन्नत तकनीकों के उपयोग के कारण संभव हुआ है, जैसे कि बेहतर पटरी रखरखाव, पटरी दोषों का पता लगाने में सुधार, रेल वेल्ड विफलताओं को रोकना और मानवीय त्रुटियों को कम करना। पटरी रखरखाव में सुधार के लिए आधुनिक मशीनों की तैनाती में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहाँ 2013–14 में केवल 700 मशीनें उपयोग में थीं, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 1,667 हो गई है। इसके अतिरिक्त, परिसंपत्ति की विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए पूरे नेटवर्क में रेल ग्राइंडिंग का भी उपयोग किया जा रहा है। जिससे पटरियों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। इसके साथ ही,उपद्रवी गतिविधियों, पटरियों से छेड़छाड़ और पटरियों पर अवरोध वस्तुओं के कारण होने वाले जोखिमों से निपटने के लिए नियमित गश्त की जाती है।यात्रियों की सुरक्षा से आगे बढ़कर, रेलवे अब वन्यजीव और पशुधन की सुरक्षा पर भी ध्यान दे रही है। 2024–25 तक 6,433 किलोमीटर रेलवे ट्रैक के किनारे बाड़ लगाने का लक्ष्य है, जिसमें से अगस्त 2024 तक 1,396 किलोमीटर पर काम पूरा कर लिया गया है। इससे मवेशियों के साथ टकराव की घटनाओं में कमी आएगी।

इन परिणामों को बनाए रखने और सुधार करने के लिए भारतीय रेलवे ने तकनीकी कार्यक्रमों और लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अपनाया है। इस पहल के तहत लोकोपायलटों को कोहरे वाले क्षेत्रों में परिचालन में सहायता के लिए जीपीएस–आधारित फॉग–पास डिवाइसेस की संख्या में वृद्धि की गई है, जो 2014–15 में केवल 90 थी और अब बढ़कर 21,742 हो गई है। लोकोपायलटों की सतर्कता बढ़ाने के लिए सभी लोकोमोटिव में सतर्कता नियंत्रण उपकरण (वीसीडी) लगाए गए हैं, जिनकी संख्या 2013–14 में 10,000 से बढ़कर अब 16,021 हो चुकी है। सुरक्षा उपायों के अंतर्गत, बड़ी पटरी (ब्रॉड–गेज) मार्गों पर स्थित 6,637 स्टेशनों में से 6,575 स्टेशनों पर पैनल इंटरलॉकिंग, रूट रिले इंटरलॉकिंग और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग जैसी उन्नत संकेत प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं।लोकोपायलटों की दक्षता को बेहतर बनाने के लिए ड्राइविंग कौशल और प्रतिक्रिया समय में सुधार के उद्देश्य से सिम्युलेटर–आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जो क्षेत्रीय अनुभव का अनुकरण करता है। अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को अग्निशमन और अग्निशामक यंत्रों के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। 2023–24 के दौरान 6 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारियों ने प्रारंभिक, प्रगति–उन्मुख, पुनरू अभ्यास और विशिष्ट जैसे विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं।

यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोत्तम प्राथमिकता देते हुए, एलएचबी कोचों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, जो बेहतर दुर्घटना–रोकथाम सुविधाओं से लैस हैं। इन कोचों का डिजाइन इस तरह किया गया है कि यह रेल के पटरी से उतरने और यात्रियों के घायल होने की संभावना को कम करता है। टक्कर के दौरान एक–दूसरे पर चढ़ने से बचने के लिए इन्हें इस प्रकार से बनाया गया है कि ये 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पर भी सुरक्षित तरीके से परिचालित हो सकें। इसकी उत्पादन संख्या में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। 2023–24 में 4,977 एलएचबी कोच बनाए गए हैं, जो 2013–14 के 2,467 से दोगुने से भी अधिक हैं।

इन सभी प्रयासों से भारतीय रेलवे पहले से कहीं अधिक सुरक्षित हो गई है। यात्री सुरक्षा और रेलवे में सुधार की दिशा में निरंतर प्रयास इसे एक सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन विकल्प बनाते हैं।

लेखक सेवानिवृत्त सदस्य इंफ्रा रेलवे बोर्ड, पदेन सचिव, भारत सरकार

अपर जिला जज ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

प्रतापगढ़। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद के आदेशानुसार अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी ने बताया कि जिला कारागार में कुल 966 बंदी निरुद्ध है जिसमें पुरुष बन्दी 875 एवं महिला बन्दी 38 एवं किशोर बंदी 53 शामिल है। उन्होंने बताया कि जेल में महिला बंदी कृष्णा कुमारी के साथ 4 वर्ष 6 माह का एक लड़का तथा सिद्धदोष महिला बंदी सिंका देवी के साथ लगभग 11 माह की लड़की तथा विचाराधीन महिला बंदी कामिला उर्फ पार्वती के साथ 3 वर्ष का लड़का साथ रह रहे हैं। सचिव ने जिला कारागार स्थित महिला बैरक ,बाल चक्र, पाकशाला, जेल चिकित्सालय, लाइब्रेरी सहित जेल परिसर का निरीक्षण किया। महिला बैरक में नए स्नानागार का निर्माण कराया गया है महिला बंदियों के लिए एक नया चिकित्सा कक्ष एवं बच्चों के लिए नर्सरी कक्ष का निर्माण कराया गया है जो बनकर तैयार है किन्तु कार्यदायी संस्था द्वारा उक्त कक्ष अभी जेल प्रशासन को हस्तगत नहीं कराया गया है। महिला बन्दी प्रिया और मोहमदुल निशा द्वारा थैलों की सिलाई की जा रही थी। बाल चक्र में बंदी विनीत गौतम ने अपने मुकदमें की पैरवी हेतु सरकारी अधिवक्ता की मांग किया जिसके लिए जेल अधीक्षक को

निर्देशित किया गया कि उक्त बंदी को सरकारी अधिवक्ता दिलाने के लिए अविलंब कार्यवाही कराएं। जेल निरीक्षण के समय सुबह का भोजन बंदियों को दिया जा चुका था पाकशाला में शाम का भोजन बन रहा था दाल चावल रोटी बनाई जा रही थी।

जेल चिकित्सालय में कुल 20 बेड की व्यवस्था है आज कुल 16 बीमार बन्दी जेल चिकित्सालय में भर्ती थे जिसमें 3 बंदी टी वी से ग्रसित बताए गए। इस अवसर पर बन्दी नुमान की मां द्वारा की गई शिकायत की भी जानकारी बन्दी से मिलकर ली गई बन्दी ने बताया कि बैरक में कुछ बंदियों के बीच कहा सुनी हो गई थी जिसके सम्बन्ध में उसकी मां ने भूल से शिकायती प्रार्थना पत्र न्यायालय में दिया था मुझे जेल प्रशासन से कोई शिकायत नहीं है।

इस अवसर पर आंवला प्रसंस्करण के अंतर्गत आंवला के आचार, मुरब्बा आदि बनाने का प्रशिक्षण रीता बनर्जी द्वारा बंदियों को दिया जा रहा था इस अवसर पर जेल अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी, जेल चिकित्सक डा0 प्रवीन रंजन, जेलर अजय कुमार सिंह, जेल विजिटर विश्वनाथ त्रिपाठी एडवोकेट, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल महावीर यादव, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल अभय प्रताप सिंह, असिस्टेंट लीगल एड डिफेन्स काउंसिल ज्योति शुक्ला, रजनी गुप्ता, उप जेलर आफताब अहमद अंसारी, लाला राम वर्मा, शारदा देवी, फार्मासिस्ट सुधीर कुमार, केशरी नंदन उपस्थित रहे।

बजट को प्रमोद व मोना ने बताया किसानों, निराशाजनक

लालगंज प्रतापगढ़(आरएनएस)। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत किये गये बजट को निराशाजनक एवं जनता के साथ धोखा कहा है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी तथा सीएलपी नेता आराधना मिश्रा ने वर्ष 2025–26 के बजट पर प्रतिक्रिया में कहा है कि यह बजट गरीब को और अधिक गरीब बनाने वाला तथा अमीरों के लिए सरकारी खजाने को खोल देने वाला बजट है। कांग्रेस नेताद्वय ने कहा है कि किसान, बेरोजगार, नौजवान, अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग तथा सरकारी कर्मचारियों को प्रस्तुत बजट निराश और हताश करने वाला है। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा है कि बजट में दिखायी गयी अनुमानित वृद्धि दर में दो प्रतिशत तक की गिरावट आयेगी, क्योंकि लक्ष्य निर्धारित करने के आंकड़े कुछ और हैं और बताये गये आंकड़े हवाहवाई हैं। राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी तथा सीएलपी नेता आराधना मिश्रा मोना ने उम्मीद जतायी है कि केन्द्रीय वित्त मंत्री फिर से बजट पर विचार करेंगी। नेताद्वय ने कहा है कि वित्त मंत्री से उम्मीद है कि वह गरीबों, पिछड़े वर्ग, मध्यम वर्ग, किसानों एवं मजदूरों के हित में बजट प्रस्तुत करेंगी। सांसद प्रमोद तिवारी तथा विधायक मोना ने कहा है कि यह बजट कुछ चंद पूंजीपतियों की तिजोरी को भरने वाला ही है। नेताद्वय ने आय कर को लेकर कहा कि उम्मीद जतायी गयी थी कि पन्द्रह लाख रूपये तक कोई आय कर नहीं लगेगा परन्तु इस बजट में मात्र बारह लाख रूपये तक की ही छूट दी गयी है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी एवं विधायक मोना ने कहा कि यह छूट दर्शायी वित्तीय वृद्धि के अनुसार कम है। नेताद्वय ने कहा कि मोदी सरकार एक हाथ से कर्मचारियों को दे रही है तो दूसरे हाथ से जीएसटी के माध्यम से वापस ले रही है। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी एवं सीएलपी नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि बजट से यह स्पष्ट हो गया है कि मोदी जी का पांच ट्रिलियन इकोनॉमी का लक्ष्य पहुंच से बाहर हो गया है। नेताद्वय ने कहा है कि जीएसटी जो आम आदमी को एक नहीं कई बार चुकानी पड़ रही है, उससे बचाने का बजट में कोई प्राविधान नहीं है। मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से जारी बयान में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा ने कहा है कि केन्द्रीय बजट किसानों, बेरोजगारों एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को निराश करने वाला बजट है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक सौ तिरसठ में से पांच का निस्तारण

लालगंज प्रतापगढ़(आरएनएस)। तहसील स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक सौ तिरसठ शिकायतो मे से पांच का निस्तारण किया गया। सर्वाधिक शिकायते राजस्व विभाग की एक सौ सात रहीं। पुलिस की सत्ताईस विद्युत विभाग बारह व आपूर्ति छः तथा अन्य की ग्यारह रहीं। जिले के अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय तथा एसडीएम लालगंज नैंनसी सिंह ने शिकायतों की सुनवाई की। सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम के निर्देश पर फरियादियों को इस बार प्रार्थना पत्र की पावती रसीद भी दी जा रही थी। इस बात को लेकर कुछ अधिवक्ताओं में असंतोष भी दिखा कि फरियादियों के साथ उन्हें समाधान दिवस में जाने से मना किया जा रहा है। हालांकि वरिष्ठ अधिवक्ताओ के अफसरो से वार्ता के बाद फरियादियो की बात रखने के लिए उनके साथ अधिवक्ता भी जाने लगे। अपर पुलिस अधीक्षक संजय राय ने पुलिस से जुडी शिकायतों के निस्तारण को लेकर सीओ रामसूरत सोनकर को स्वयं पर्यवेक्षण के निर्देश दिये। एसडीएम नैंनसी सिंह ने जमीनी विवाद से जुडे मामलो में निस्तारण के बाबत राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम का गठन कराया। इस मौके पर प्रभारी तहसीलदार पंकज कुमार, एसडीओ विद्युत शुभम गर्ग, बीईओ सुरेश कुमार सिंह, पूर्ति निरीक्षक अमित शुक्ला, एसडीओ सिंचाई गणेशशंकर श्रीवास्तव आदि रहे।

संक्षेप

सीतांशु को किया जाएगा सम्मानित

कानपुर । हिंदी के प्रख्यात कवि और लेखक गोविंद मिश्र और गुजराती के प्रख्यात कवि, नाटककार और आलोचक सीतांशु यशश्चंद्र को लेखन और जीवन में उनके समग्र आजीवन योगदान के लिए अग्रणी हिंदी समाचार समूह अमर उजाला द्वारा स्थापित सर्वोच्च सम्मान श्आकाशदीपश से सम्मानित किया जाएगा। सीतांशु यशश्चंद्र को गुजराती भाषा की आधुनिक कला और साहित्य में उनके अतुलनीय योगदान के लिए चुना गया है, गोविंद मिश्र को हिंदी लेखन के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान के लिए इस सम्मान के लिए चुना गया है। युगल जोशी, ध्रुव शुक्ला, ज्योति चावला, किंशुक गुप्ता और सुभाष नीरव को मिलेगा श्रेष्ठ कृति सम्मान अमर उजाला शब्द सम्मान–2024 के तहत वर्ष 2023 में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ हिंदी कृतियों के लिए शब्द सम्मान की भी घोषणा की गई है इन पुरस्कारों में एक–एक लाख रुपये की राशि, एक प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह के रूप में गंगा प्रतिमा शामिल है।प्रख्यात कवि आलोक धन्वा, सुप्रसिद्ध कथाकार संजीव, सुप्रसिद्ध आलोचक वागीश शुक्ल, वरिष्ठ लेखक–संपादक विश्वनाथ सचदेव और सुप्रसिद्ध कथाकार अखिलेश की उच्च स्तरीय जूरी ने इन कृतियों को अपनी कसौटी पर परखा है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष किये गये सम्मानित

कानपुर । प्रतिनिधि व्यापार मंडल उ प्र द्वारा व्यापारी महाकुंभ का आयोजन ज्वाला देवी गेस्ट हाउस सिविल लाइन में किया गया इस व्यापारी महाकुंभ में प्रदेश भर से आये व्यापारी नेताओं के साथ प्रयागराज कुंभ में हुई हृदय विदारक घटना पर मृतकों को श्रद्धांजलि देकर कुछ समय का मौन रख कर प्रार्थना की गई राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप शुक्ला का प्रतीक चिन्हस्वर्ण मुकुट बड़ी माला तलवार अंगवस्त्र प्रदान कर गर्मजोशी से स्वागत किया राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप शुक्ला ने कहा व्यापारी की राजनीतिक हिस्सेदारी सुनिश्चित होनी चाहिए राजनीतिक दलों को समझना होगा व्यापारी धीरे धीरे एक जुट हो रहा है.व्यापारियों को उनकी राजनीतिक हिस्से दारों से वंचित रखना ठीक नहीं है व्यापारी का लगभग 30: है.वोट और लोट दोनों देता है.और विधानसभा लोक सभा राज्यसभा विधान परिषद में उनकी सांख्य न के बराबर है.इसलिये व्यापारियों को उत्चित राजितिक हिस्से टारी देनी ही होगी हम सरकार से माँग करते है.की अधिकारियों द्वारा व्यापारियों पर हो रहा उत्पीडन रोका जाये व्यापारियों के साथ हो रही लूट हत्या की घटनाओं पर तत्काल अंकुश लगे और व्यापारियों को शास्त्र लाइसेंस प्रमुखता से जल्द जारी किए जाए मंडी शुल्क समाप्ति हो व्यापारी सुरक्षा आयोग का गठन तत्काल हो जिस तरह से बड़ी बड़ी कंपनियों द्वारा ऑन लाइन स्वीपिंग में उत्तर कर छोटे मध्यम व्यापारी का व्यापार खत्म कर रही है जिससे व्यापारी परेशान है.और व्यापार बंदी की कगार पर है और सामाजिक स्थिरता पर भी प्रभाव पड़ रहा है.इस लिये सरकार को ऑन लाइन स्वापिंग पर रोक लगाये या छोटे मध्यम व्यापारी को बड़ी ऑन लाइन कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने हुए बूस्टर पैकेज के रूप में जी एस टी, आयकर, बिजली बिल, अन्य टैक्सो में छूट दे जिससे व्यापारी अपने व्यापार को बचा सके.।

पुलिस ने मुकदमा किया दर्ज

आजमगढ़। देवगांव कोतवाली क्षेत्र के नरसिंहपुर गांव में बुधवार की देर रात्रि लगभग 12रू00 बजे सुजीत पुत्र अमरदेव के घर में चोरों ने धावा बोल दिया कर चोर घर में पीछे के बारजे के सहारे घर में घुसकर कमरे में रखे बक्से से 2 लाख 20 हजार नगद सहित लगभग 5 लाख का जेवर सीढ़ी के रास्ते फरार हो गए। चोरी की घटना के समय पूरा परिवार सो रहा था खटपट की आहट हुई तो घर वालों ने उठकर देखा दरवाजा बाहर से बंद था। शोर गुल मचाने पर दरवाजा खुल पाया घर वालों ने चोरी की सूचना ग्रामीणों को बताई । काफी तलाश के उपरान्त एक संदिग्ध युवक को भागते देख ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ लिया । चोरी की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को 112 पर दी पकड़े गए युवक को ग्रामीणों ने पुलिस को सुपर्द कर दिया वही इस मामले में देवगांव कोतवाली पहुंच कर पीड़ित ने चोरी की तहरीर पुलिस को दिया । किंतु तीन दिन बीत जाने पर भी पुलिस मुकदमा दर्ज नहीं कर रही थी।जिससे ग्रामीणों में रविवार को काफी आक्रोश देखने को मिला ।काफी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष पैदल चलकर पल्हना पुलिस चौकी पहुंच कर मुकदमा न दर्ज करने के विरोध में पुलिस चौकी परिसर में धरने पर बैठ गये और मुकदमा दर्ज करने के लिए अड़े रहे। ग्रामीणों के विरोध पर दबाव में पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया।

गिरफ्तार कर पुलिस ने किया चलान

आजमगढ़। पुलिस के अनुसार फरहान खान पुत्र रियाजुद्दीन निवासी मध्नापार थाना बिलरियागंज जनपद आजमगढ़ को 6 माह के लिए जिला बदर किया गया था । इस आदेश की तामिला होने के बावजूद भी वह अपने गाँव घर में छुप कर रह रहा था। इसी कारण अभियुक्त फरहान खान पुत्र रियाजुद्दीन उपरोक्त का कृत्य अन्तर्गत धारा 10 उ0प्र0 गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1970 का दण्डनीय अपराध के तहत 5 जनवरी को मुखबीर की सूचना पर पुलिस द्वारा गिरफ्तार करके उसकी चलान भेज दी गई।

परिवार का दुख दर्द बांटता है विभाग

रामसनेहीघाट बाराबंकी(आरएनएस)। सेवानिवृत्ति एक प्रक्रिया है जो सभी सरकारी कर्मी के साथ लागू होती है सेवा निवृत्त होने के बाद व्यक्ति अपने परिवार के साथ रहकर हर वह सुख दुःख बंटता है जो नौकरी के दौरान नही बाँट पाता है हर पल वह अपने परिवार के साथ रहकर समाज की भी सेवा कर सकता है।उक्त बातें फायर स्टेशन रामसनेहीघाट में तैनात पुलिस होमगार्ड रामफेर मिश्रा के सेवा निवृत्त होने पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फायर यूनिट रामसनेहीघाट टीम प्रभारी चंद्र भूषण शुक्ला ने विदाई समारोह के दौरान कही। उन्होंने कहा कि जैसे जीवन के साथ मृत्यु फिक्स होती है ठीक उसी प्रकार सरकारी नौकरी में नौकरी मिलने के साथ सेवा निवृत होना भी तय हो जाता है, नौकरी करते हुए व्यक्ति अपने परिवार के साथ हर वह पल नही बिता पाता है जो उसका परिवार चाहता है, नौकरी करने के दौरान व्यक्ति नियम व कानून से बंधा होता है लेकिन वही व्यक्ति जब सेवा निवृत्त हो जाता है तो वह खुल कर अपने परिवार के साथ रह सकता है उसके सुख दुख में हर पल मौजूद रहकर समाज की सेवा भी कर सकता है।ऐसे में होमगार्ड जवानों की भूमिका भी पुलिस विभाग में सबसे महत्वपूर्ण होती है। विदाई समारोह के दौरान सेवा निवृत्त होमगार्ड राम फेर मिश्रा को रामायण, छतरी, सहित तमाम वस्तुएं देकर उन्हें नौकरी से विदाई दी गई इस दौरान मौजूद होमगार्ड जवानों की आंखों से आंशू भी छलके। इस कार्यक्रम में होमगार्ड जवान देवीदीन, कमलेश, वंशबहादुर, सहित फायर विभाग के अश्वनी गुप्ता, अभिषेक मणि त्रिपाठी, आशीष पाल, नरेश, विजय, अनुपम सिंह, ज्ञानेंद्र मिश्रा, अवधेश सिंह, ललित,राकेश सिंह, देशराज शुक्ला सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

धार्मिक आयोजन में उमड़े श्रद्धालु, मंत्रोच्चारण के मध्य हुआ शुभारंभ

लालगंज प्रतापगढ़(आरएनएस)। रामपुर बावली क्षेत्र के अनेहरा स्थित पंचवटी धाम में चार दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को लेकर शनिवार को बेदीपूजन तथा जलाधिवास व अन्नाधिवास में श्रद्धालु जुटे दिखे। श्रीराम दरबार तथा मां दुर्गा व पंचमुखी हनुमान जी महराज की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर धाम देवी देवताओं के जयघोष से गुंजायमान दिखा। आचार्य अरविन्द कुमार तिवारी, व्यास आशुतोष मिश्र, पं. अखिलेश द्विवेदी व पं. आलोक पाण्डेय के वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य सह संयोजक बलराम शुक्ल व कृष्णा शुक्ला ने वेदीपूजन किया। पूर्व प्रधान एवं कार्यक्रम के संयोजक पं. रमाशंकर शुक्ल ने आचार्य समूह का श्रीअभिषेक किया। इस मौके पर अनुपम त्रिपाठी, अजयधर द्विवेदी, अरूण त्रिपाठी, अशोक मिश्र, सुनील ओझा, कृष्ण कुमार पाण्डेय, श्यामशंकर शुक्ल, जटाशंकर शुक्ला, अनंतराम शुक्ला, रामकृष्ण शुक्ल आदि रहे।

तीन दिन से लापता बच्ची का शव मिला

कानपुर (आरएनएस)। महाराजपुर के सरसौल थानाक्षेत्र में तीन दिन से लापता बच्ची का शव आज गुरुवार सुबह ईंट भट्ठे के पास खेत में पड़ा मिला । बच्ची का शव मिलने की सूचना के बाद ग्रामीणों ने फौरन पुलिस को इसकी जानकारी दी मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है । फिलहाल प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि बच्ची हत्या दुष्कर्म के बाद गयी है। दरअसल महाराजपुर में इसी बीते सोमवार की शाम कक्षा आठ की 12 वर्षीय छात्रा बकरी चराने खेत में गई थी इसी दौरान वह लापता हो गई । बच्ची के घर वापस न लौटने पर परिजनों ने पुलिस से इसकी शिकायत करी । पुलिस ने भी बच्ची की तलाश करी लेकिन उसका कुछ पता नहीं लग सका । उसके बाद आज गुरुवार सुबह गांव के बाहर एक ईंट–भट्ठे के पास अरहर के खेत में कुछ ग्रामीणों को बच्ची का शव पड़ा मिला । चेहरे पर गहरी चोट व खरोंच के निशान दिखे जिसके चलते आशंका जताई जा रही है कि बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव फेंका गया है।

कच्ची शराब का व चाकू के साथ आरोपी गिरफ्तार

श्रावस्ती (आरएनएस)। थाना को0 भिनगा' ने अभियुक्त रमेश कुमार पुत्र काली प्रसाद निवासी अमरहवा थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती को 10 लीटर नाजायज कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 60 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया। थाना को0 भिनगा' ने अभियुक्त ध्रीरज उर्फ राम धीरज पुत्र मोहन निवासी नेवादा अमवा थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती को 05 लीटर नाजायज कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 60 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।थाना को0 भिनगा' ने अभियुक्त बबलू पुत्र बनवारी लाल निवासी मोहल्ला सत्तीचौरा कस्बा भिनगा थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती को 05 लीटर नाजायज कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 60 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया। थाना को0 भिनगा' ने अभियुक्त दीनदयाल पुत्र सुदामा निवासी तड़वा बनकटवा थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती 01 नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 4ध्25 आर्म्स अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।थाना को0 भिनगा' ने अभियुक्त आमिर पुत्र खलील निवासी कुंदनपुर नौशहरा थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती को 01 नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 4ध्25 आर्म्स अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया। जनपद श्रावस्ती के विभिन्न थानाक्षेत्रों से शांतिभंग करने के आरोप में कुल '13' व्यक्तियों को गिरफ्तार कर पाबंदी हेतु रिपोर्ट प्रेषित की गयी। पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध जनपदीय पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर बैरियरध्चेक पोस्ट लगाकर चेकिंग की गयी, जिसके अन्तर्गत विभिन्न चेक पोस्टों पर वाहनों की चेकिंग की दौरान '88 वाहनों का मोटर वाहन अधिनियम के तहत ई–चालान कर रू0 1,31,500ध्–' का शमन किया गया।

धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

आजमगढ़। कोतवाली कोतवाली पुलिस ने कूट रचित दस्तावेज तैयार कराकर 30 लाख रुपयें की धोखाधड़ी करने वाला अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया.आवेदक राहुल कुमार गुप्ता एक्सिस बैंक ब्रांच मैनेजर पुत्र स्व0 त्रिलोकीनाथ गुप्ता निवासी रैदोपुर थाना कोतवाली आजमगढ़ द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र कि एक खाता संख्या 91301003••••• खाता धारक सलाहुद्दीन आजमी पुत्र स्व0 इजहारूल हक निवासी ककरहटा थाना कोतवाली आजमगढ़ जो एक एनआरआई थे तथा वर्ष 2017 से इंग्लैंड गये तथा 2022 मे मृत्यु हो गयी तथा भारत वापस नही आये। उसके बावजूद भी उनके खाते से लेन देन होता रहा , उनका मो0न0 व ईमेल बदल कर चेकबुक व एटीएम प्राप्त कर फर्जी हस्ताक्षर व कूट रचित दस्तावेज तैयार कराकर 30 लाख रूपये का फ्राड किया गया।

दिनदहाड़े तालाबों की सीना कर रहे छलनी

मीरजापुर(आरएनएस)। जिला प्रशासन की सखध्ती पर पानी फेरते हुए खनन माफिया, दिनदहाड़े तालाबों की सीना छलनी करते आ रहे हैं। इससे शासन–प्रशासन के फरमान पर पानी फिरता हुआ दिखाई दे रहा है। खनन माफिया बाकायदा जेसीबी मशीन से दिनदहाड़े तालाब–पोखरों से लेकर बंजर भूमि पर मिट्टी खन–खोदकर उठा ले जा रहे हैं। एक तरफ शासन ने बिना अनुमति मिट्टी, बालू के खनन पर रोक लगा रखा है। प्रशासन भी अवैध खनन पर सखध्ती से रोक लगाने की बात करता है। वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब से मिट्टी का अवैध खनन ध्ड़ल्ले से हो रहा है। जिले के लालगंज विकास खंड क्षेत्र के रानीबारी गांव में जेसीबी मशीन तालाब का बेतरतीब तरीके से सीना चीर रही है और मिट्टी से भरे ट्रैक्टर धड़ल्ले से दिन–रात दौड़ रहे हैं। जिसके कारण तालाब का स्वरूप बदल जा रहा है।लालगंज विकासखंड में स्थित रानीबारी गांव में जेसीबी कई दिनों से गरज रही है। दिन हो या रात जेसीबी से तालाब की खोदाई लगातार चल रही है। इससे मिट्टी निकाल कर तालाब के भीटा पर गिराया जा रहा है। चर्चा है कि अभी तक जो काम मनरेगा द्वारा मजदूर करते थे उस काम को जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर से कराया जा रहा है। इससे जहां सरकार के गाइड लाइन की धज्जियां उड़ती हुई नजर आ रही है तो वहीं गांव के गरीब जनों को भी मनरेगा योजना से वंचित होना पड़ जा रहा है।

महिला को निर्वस्त कर अपमानित करने के विरोध में कांग्रेस नेता मंजू ने भेजा ज्ञापन

बस्ती । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी श्रम प्रकोष्ठ की महासचिव एवं महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष मंजू पाण्डेय ने महिलाओं के उत्पीड़न, उन्हें नंगा घुमाकर अपमानित किये जाने के मामले को लेकर जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा।राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में कांग्रेस नेता मंजू पाण्डेय ने कहा है कि गुजरात राज्य के दाहोद जिले में एक आदिवासी महिला को शक के आधार पर कुछ शरारती तत्वों के द्वारा निर्वस्त कर पूरे गांव में नंगा घुमा कर उसे मारा पीटते हुये मोटर साईकिल में बांधकर घसीटा गया। सोशल मीडिया पर इसकी वीडीओ वायरल हुआ। यह घटना शर्मनाक है। मंजू पाण्डेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता, पदाधिकारी बार–बार गुजरात माडल का हवाला देते हैं, क्या यही गुजरात माडल है जहां आदिवासी महिला के साथ बेशर्मी की सारी हदें पार कर दी गई। मंजू पाण्डेय ने राष्ट्रपति से मांग किया है कि समूचे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर पीड़ित महिला को एक करोड़ रूपये का मुआवजा देने के साथ ही दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए निराकरण–मुख्य विकास अधिकारी

श्रावस्ती (आरएनएस)। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देश पर मुख्य विकास विकास अधिकारी अनुभव सिंह एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में तहसील भिनगा में सम्पूर्ण समाधान दिवसध्तहसील दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने तहसील दिवस में आये फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुना तथा उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जन समस्याओं को समय–सीमा के अंतर्गत उनका निराकरण गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को बार–बार ब्लॉक तहसील व जनपद मुख्यालय का चक्कर ना लगाना पड़े। सम्पूर्ण समाधान दिवसध्तहसील दिवस में आये हर फरियादियों की छोटी बड़ी समस्याओं को गम्भीरता से सुना जाए। जिससे फरियादियों की शत–प्रतिशत समस्याओं का निराकरण किया जा सके। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवसध्तहसील दिवस में पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय–सीमा के अन्दर किया जाना सुनिश्चित करें। यदि जिले में किसी भी थाना क्षेत्र से कोई भी फरियादी द्वारा किसी भी थानाध्यक्ष की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने की शिकायत मिली तो निश्चित ही सम्बन्धित थानाध्यक्ष के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील दिवस भिनगा में कुल 24 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर ही 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को उपलब्ध कराया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस इकौना में 47 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से मौके पर 05 शिकायतों का निस्तारण किया गया। तहसील जमुनहा में कुल 18 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से मौके पर 2 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

जांच के लिए बनाई कमेटी

कानपुर (आरएनएस)। आईआईटी में यौन उत्पीड़न का मामला प्रकाश में आया है अभी एसीपी के यौन उत्पीड़न में कोर्ट में मामला विचाराधीन है इस बीच प्रोजेक्टर मैनेजर ने साइबर सिक्योरिटी से जुड़े प्रोजेक्ट के लिए काम करने वाली इंजीनियर का यौन उत्पीड़न किया पीड़िता की तहरीर पर कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई। पीड़ित नॉर्थ ईस्ट की रहने वाली है केस दर्ज कर पुलिस ने पीड़िता का गुरुवार को मेडिकल कराया पुलिस पूरे मामले की गोपनीय रूप से जांच कर रही है अभी तक आरोपी की अरेस्टिंग नहीं हुई है पुलिस का कहना है कि मजिस्ट्रेटी बयान दर्ज होने के बाद आरोपी को अरेस्ट किया जाएंगा नॉर्थ ईस्ट की रहने वाली एक युवती आईआईटी के साइबर सिक्योरिटी के एक प्रोजेक्टर में बतौर इंजीनियर कार्यरत है युवती ने आरोप लगाया है कि उसके प्रोजेक्ट मैनेजर शुभम मालवीय ने उसका यौन उत्पीड़न किया वह एक साल से शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बना रहा है जब उसने शादी के लिए कहा तो वह मुकर गया शादी करने का दबाव डालने पर उसके साथ मारपीट की और उसे धमकाया ।

लोगों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म–जगदीश

लाल गोपालगंजरू महाशिवरात्रि के अवसर पर महाकुंभ प्रयागराज में गंगा की डुबकी लगाकर पूर्ण की भागीदार बनने के लिए महाकुंभ प्रयागराज जाते हुए लोगों और आने वाले श्रद्धालुओं को पूरी सब्जी और हेलुआ का प्रसाद वितरित करते हुए भाजपा ने जगदीश पटेल ने कहा कि लोगों की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है इसलिए प्रत्येक इंसान को जरूरतमंद लोगों की हमेशा सहायता करनी चाहिए। इस मौके पर सुरेंद्र कुमार मिश्रा, मुनीम जी, अमित, शारदा पटेल, कमलेश कुमार, तीरथ पटेल, राधेश्याम, राहुल कुमार गुप्ता, आशीष कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

स्वप्नलोक सा नजारा, कोई ध्यान में मग्न... कोई योग में

चारों ओर भक्ति और अध्यात्म की अद्भुत छटा

प्रयागराज। वसंत पंचमी पर तीसरे अमृत स्नान के दौरान संगम तीरे सनातन धर्म का विराट स्वरूप नजर आया। सनातन परंपरा के सभी 13 अखाड़ों ने राजसी ठाठ–बाट के साथ अमृत स्नान किया। संगम नगरी महादेव और सियाराम के जयकारों से गूंजती रही।

संगम घाट का दृश्य किसी स्वप्नलोक जैसा दिख रहा था। चारों ओर श्रद्धालुओं की अपार भीड़, माइक पर गूंजते मंत्रोच्चार, दूर–दूर तक संत–महात्मा दिख रहे थे। पैदल आ रहे लोगों की भीड़ धीरे–धीरे प्रशासन की व्यवस्था पर आगे बढ़ रही थी। संगम के एक किनारे पर अखाड़ों की भव्य रथ यात्रा और आस्था की अद्भुत लहरें मानो इस पवित्र स्थल को दिव्यता से भर रही थीं।

भोर की किरण के पहले ही श्रद्धालु त्रिवेणी संगम की ओर उमड़ पड़े। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाने के लिए भक्तों में उत्साह देखते ही बन रहा था।

संगम घाट पर अमृत स्नान के दौरान श्री पंच निर्वाणी अनी अखाड़ा के संत–साधु करतब दिखाते हुए – फोटो रू संवाद

लोग हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रहे थे, हर हर गंगे और जय गंगा मैया के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया था। स्नान के बाद लोग पूजा–अर्चना कर रहे थे, पंडितगण भी वैदिक मंत्रोच्चार में लीन थे और चारों ओर भक्ति और अध्यात्म की अद्भुत छटा थी।

अखाड़ों का दृश्य भी देखने योग्य था। नागा संन्यासियों का भव्य जुलूस, गेरुआ वस्त्रधारी संतों की टोली, माथे पर भस्म लगाए साधु–संत अपने–अपने ध्वज थामे शोभायात्रा निकाल रहे थे। कोई ध्यान में मग्न था तो कोई अपने चमत्कारी योगबल का प्रदर्शन कर रहा था।

श्रद्धालु दूर–दूर से आकर इन संतों का आशीर्वाद ले रहे थे। कुछ लोग दौड़कर चरणरज माथे पर लगा रहे थे। केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों ने श्रद्धालुओं के लिए आने–जाने के लिए व्यवस्था संभाल रखी थी। हर पांच कदम पर जवान खड़ा था, जो लोगों को आगे बढ़ने का इशारा कर रहा था। श्रद्धालु भी केंद्रीय बल के होते सुरक्षा महसूस करते हुए आगे बढ़ रहे थे।

वसंत पंचमी पर तीसरे अमृत स्नान के दौरान संगम तीरे सनातन धर्म का विराट स्वरूप नजर आया। सनातन परंपरा के सभी 13 अखाड़ों ने राजसी ठाठ–बाट के साथ अमृत स्नान किया। संगम नगरी महादेव और सियाराम के जयकारों से गूंजती रही। हजारों की संख्या में नागा संन्यासी त्रिशूल, गदा और तलवार लहराते हुए स्नान के लिए पहुंचे। आखिरी अमृत स्नान के साथ अखाड़ों का प्रयाग प्रवास सोमवार को पूर्ण हो गया।

शैव अखाड़े के संन्यासी अगले चरण में काशी प्रवास के लिए यहां से रवाना होने लगे हैं। वहीं, अनि और उदासीन अखाड़े के संत अन्य धार्मिक संस्कार पूर्ण करके अपने–अपने स्थान को लौटेंगे। अमृत स्नान के लिए सबसे पहले तड़के करीब चार बजे छावनी से श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा और श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़ा निकले। विधि–विधान से छावनी में ईष्ट देव की पूजा–अर्चना की गई।

इसके बाद हजारों नागा संन्यासियों ने शस्त्र प्रदर्शन किया। अखाड़े के दिव्य भाल सूर्य प्रकाश और भैरव प्रकाश को नागा संन्यासियों ने कंधों पर थामा। उनके पीछे ईष्ट देव भगवान कपिल की पालकी चली। आचार्य महामंडलेश्वर के पीछे नागा संन्यासी तलवार, गदा और त्रिशूल लहराते हुए बढ़े।

दर्जनों महामंडलेश्वर भी शिष्यों के संग रथों पर सवार होकर निकले। अस्त्र–शस्त्र के साथ दौड़ लगाते नागाओं ने संगम में डुबकी लगाई। संगम घाट पर ही नागा संन्यासियों ने अजब–गजब करतब दिखाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्री निरंजनी अखाड़ा व आनंद अखाड़ा भी पुलिस की सुरक्षा के बीच तय समय पर छावनी से निकले। अखाड़े की अगुवाई निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि और आनंद पीठाधीश्वर बालकानंद गिरि ने की।

अखाड़े के साथ अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवं श्री महंत रवींद्र पुरी, सचिव महंत रामरतन गिरि, महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद पुरी, महामंडलेश्वर निरंजन ज्योति, श्री महंत शंकरानंद सरस्वती समेत सौ से अधिक महामंडलेश्वरों और श्री महंतों ने हजारों शिष्यों के साथ स्नान किया।

तीसरे क्रम में जूना अखाड़े के साथ आवाहन और अग्नि अखाड़ा के संन्यासी स्नान के लिए निकले। जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि की अगुवाई में हर–हर महादेव के जयकारे लगाते हुए भारी संख्या में नागा जुलूस में शामिल हुए।

पूरे शरीर पर भस्म रमाए नागा संन्यासी अलग कौतूहल पैदा कर रहे थे। पूरे अखाड़ा मार्ग पर करतब दिखाते नागा संन्यासी संगम तक पहुंचे। अखाड़ों के कोतवालों से इशारा मिलते ही नागा संन्यासियों ने हर–हर महादेव का उद्घोष करते हुए संगम की ओर दौड़ लगा दी। स्वामी अवधेशानंद ने षोडशोपचार पूजन किया। स्नान के पश्चात नागा संन्यासियों ने शरीर पर भस्म रमाई। पूरे रास्ते फूलों की बारिश होती रही। उधर, सुबह करीब नौ बजे तक सभी शैव अखाड़े छावनी में लौट गए।

बहिनी, भइया और माता संगम तट पर न करें विश्राम, यहां रही सबसे अधिक निगरानी, गूंजती रही सायरन की आवाज

प्रयागराज। वसंत पंचमी पर अधिकारी माइक के जरिए अपील करते रहे कि कोई भी श्रद्धालु संगम तट पर विश्राम न करे। रात नौ बजे से ही अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों का भ्रमण शुरू हो गया था। संगम नोज के पिलर नंबर 152 से लेकर 225 पर सबसे ज्यादा निगरानी रही। चाचा, भइया, माताजी और बहिनी त्रिवेणी के तट पर आपका स्वागत है। अगर आप स्नान कर चुके हैं तो घाट को खाली कर दें और आगे की तरफ बढ़ें। घाट पर ना सोएं। वसंत पंचमी का मुहूर्त आरंभ हो चुका है और आप जल्दी जल्दी स्नान करके आगे बढ़ते रहें। घाट के किनारे और रास्ते में बैठकर आराम ना करें। मेला क्षेत्र में जगह–जगह जन आश्रय स्थल बनाए गए हैं, वहीं जाकर विश्राम करें। रात के नौ बजे से संगम नोज पर माइक और लाउडहेलर से यह घोषणा हर दो मिनट पर गूंज रही थी। संगम नोज के पिलर नंबर 152 से 225 पर सबसे अधिक निगरानी हो रही थी। अर्द्ध ासैनिक बलों के साथ ही पुलिसकर्मी और अधिकारियों का पूरा ध्यान भी इसी जगह पर था। संगम नोज पर भीड़ का दबाव कम करने के लिए पिलर नंबर 240 के पास से मेला क्षेत्र तक रस्सियों की बैरिकेडिंग करके अर्द्ध ासैनिक बलों के जवान खड़े थे। किला मार्ग से आने वाली पूरी भीड़ को यमुना की तरफ डायवर्ट कर दिया गया। भीड़ अब धीरे–धीरे किला घाट की ओर बढ़ रही थी। इससे संगम नोज पर श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव थोड़ा कम हो गया। वहीं, संगम से किला मार्ग पर जाने वाली सड़क के दोनों किनारे सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु भोर का इंतजार करने के लिए जमीन पर ही बैठे हुए थे। संगम नोज पर स्नान करने वालों को भी घाट पर रुकने के लिए 10 मिनट से ज्यादा का समय नहीं दिया जा रहा था। उच्चाधिकारी पैदल ही किला मार्ग से संगम नोज तक हर घंटे पर पैदल ही निगरानी कर रहे थे। आने जाने वाले रास्तों को पूरी तरह से खाली कराने के निर्देश लगातार दिए जा रहे थे। मचान पर बैठे पुलिसकर्मी ने लाउडहेलर से माला–फूल बेचने वाले कुछ बच्चों को सख्ती से हटाने के लिए अनाउंस किया तो मौके पर मौजूद अधिकारी ने तत्काल उनको संयम बरतने का निर्देश दिया। उच्चाधिकारियों ने कहा कि किसी को डंडा न मारें, शालीनता और संयम के साथ अनाउंसमेंट करें। किसी भी श्रद्धालु के साथ दुर्व्यवहार न करें। अधिकारियों के निर्देश के बाद पुलिसकर्मियों के भी सुर बदल गए। वह हाथ जोड़–जोड़कर श्रद्धालुओं से निवेदन कर रहे थे कि आप लोग स्नान करने के बाद तुरंत घाट को खाली कर दें। संगम नोज के हर घाट पर सायरन की आवाज हर 15 मिनट के अंतराल पर गूंज रही थी। पुलिसकर्मी हाथ में सायरन लेकर श्रद्धालुओं को जगाते हुए सायरन बजाते हुए लगातार गश्त कर रहे थे।

आखिरी अमृत स्नान पर दिखा सनातन का विराट रूप, आज से काशी रवाना होंगे शैव अखाड़े

प्रयागराज। आखिरी अमृत स्नान के साथ अखाड़ों का प्रयाग प्रवास सोमवार को पूर्ण हो गया। शैव अखाड़े के संन्यासी अगले चरण में काशी प्रवास के लिए यहां से रवाना होने लगे हैं। वहीं, अनि और उदासीन अखाड़े के संत अन्य धार्मिक संस्कार पूर्ण करके अपने–अपने स्थान को लौटेंगे।

वसंत पंचमी पर तीसरे अमृत स्नान के दौरान संगम तीरे सनातन ध र्म का विराट स्वरूप नजर आया। सनातन परंपरा के सभी 13 अखाड़ों ने राजसी ठाठ–बाट के साथ अमृत स्नान किया। संगम नगरी महादेव और सियाराम के जयकारों से गूंजती रही। हजारों की संख्या में नागा संन्यासी त्रिशूल, गदा और तलवार लहराते हुए स्नान के लिए पहुंचे। आखिरी अमृत स्नान के साथ अखाड़ों का प्रयाग प्रवास सोमवार को पूर्ण हो गया।

शैव अखाड़े के संन्यासी अगले चरण में काशी प्रवास के लिए यहां से रवाना होने लगे हैं। वहीं, अनि और उदासीन अखाड़े के संत अन्य धार्मिक संस्कार पूर्ण करके अपने–अपने स्थान को लौटेंगे। अमृत स्नान के लिए सबसे पहले तड़के करीब चार बजे छावनी से श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा और श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़ा निकले। विधि–विधान से छावनी में ईष्ट देव की पूजा–अर्चना की गई।

इसके बाद हजारों नागा संन्यासियों ने शस्त्र प्रदर्शन किया। अखाड़े के दिव्य भाल सूर्य प्रकाश और भैरव प्रकाश को नागा संन्यासियों ने कंधों पर थामा। उनके पीछे ईष्ट देव भगवान कपिल की पालकी चली। आचार्य महामंडलेश्वर के पीछे नागा संन्यासी तलवार, गदा और त्रिशूल लहराते हुए बढ़े।

दर्जनों महामंडलेश्वर भी शिष्यों के संग रथों पर सवार होकर निकले। अस्त्र–शस्त्र के साथ दौड़ लगाते नागाओं ने संगम में डुबकी लगाई। संगम घाट पर ही नागा संन्यासियों ने अजब–गजब करतब दिखाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्री निरंजनी अखाड़ा व आनंद अखाड़ा भी पुलिस की सुरक्षा के बीच तय समय पर छावनी से निकले। अखाड़े की अगुवाई निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि और आनंद पीठाधीश्वर बालकानंद गिरि ने की।

अखाड़े के साथ अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवं श्री महंत रवींद्र पुरी, सचिव महंत रामरतन गिरि, महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद पुरी, महामंडलेश्वर निरंजन ज्योति, श्री महंत शंकरानंद सरस्वती समेत सौ से अधिक महामंडलेश्वरों और श्री महंतों ने हजारों शिष्यों के साथ स्नान किया।

तीसरे क्रम में जूना अखाड़े के साथ आवाहन और अग्नि अखाड़ा के संन्यासी स्नान के लिए निकले। जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि की अगुवाई में हर–हर महादेव के जयकारे लगाते हुए भारी संख्या में नागा जुलूस में शामिल हुए।

पूरे शरीर पर भस्म रमाए नागा संन्यासी अलग कौतूहल पैदा कर रहे थे। पूरे अखाड़ा मार्ग पर करतब दिखाते नागा संन्यासी संगम तक पहुंचे। अखाड़ों के कोतवालों से इशारा मिलते ही नागा संन्यासियों ने हर–हर महादेव का उद्घोष करते हुए संगम की ओर दौड़ लगा दी। स्वामी अवध ोशानंद ने षोडशोपचार पूजन किया। स्नान के पश्चात नागा संन्यासियों ने शरीर पर भस्म रमाई। पूरे रास्ते फूलों की बारिश होती रही। उधर, सुबह करीब नौ बजे तक सभी शैव अखाड़े छावनी में लौट गए।

उत्तर मध्य रेलवे

ई निविदा संख्याः सिग-डब्लू एस-कान्ट्रैक्ट-576 दिनांकः 31.01.2025

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति के लिये उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें आन लाइन (ई टेंडरिंग) निर्धारित प्रपत्र पर आमन्त्रित की जाती हैं।

कार्य का नामः उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में स्टेशनों (यानी लूसा, खैराही और सोनभद्रा) पर पूर्ण सिग्नलिंग और टेलीकॉम इनडोर और आउटडोर कार्यों के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की आपूर्ति, डिजाइनिंग, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग और चुनार-चोपन डबल लाइन के संबंध में कर्मा और पसाहिकला स्टेशन पर मौजूदा ईआई में बदलाव।

कार्य की अनुमानित लागतः ₹ 300634021.82 (तीस करोड़ छह लाख चौंतीस हजार इक्कीस और बयासी पैसे मात्र)। **धरोहर राशिः** ₹ 1653200.00 (रु. सोलह लाख तिरपन हजार दो सौ मात्र)। **कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 11 माह। **निविदा जमा होने की अन्तिम तिथिः** 24.02.2025 समय 15:00 बजे तक जमा होगा। **निविदा खुलने की तिथिः** **24.02.2025 समय 15:30 बजे** खुलेगा।

निविदा संबंधी पूर्ण जानकारी हेतु भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। **215/25(A)**

f North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

भक्ति की लहरों में खिला वसंत, अमृतपान को उमड़ा जनसमूह

प्रयागराज। महाकुंभ के तीसरे और आखिरी शाही स्नान पर्व की वसंती छटा इसी तरह दुनिया को अपने मोहपाश में बांधती नजर आई। रात आठ बजे तक मेला प्रशासन ने 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम में डुबकी लगाने का दावा किया तुलसीदास की उक्त चौपाई वसंत पंचमी के अमृत स्नान पर्व पर साकार हुई। इसका आशय है कि पापों के समूह रूपी हाथी को मारने के लिए सिंह रूपी प्रयागराज का प्रभाव कोई नहीं कह सकता। ऐसे सुहावने तीर्थराज का दर्शन कर सुख के समुद्र प्रभुश्री राम भी त्रेता में मुग्ध हो गए थे। वसंत पंचमी पर संगम तट पर भक्ति की लहरों में डूबने के लिए समूचा विश्व पौ फटने से पहले ही आतुर हो उठा। महाकुंभ के तीसरे और आखिरी शाही स्नान पर्व की वसंती छटा इसी तरह दुनिया को अपने मोहपाश में बांधती नजर आई। रात आठ बजे तक मेला प्रशासन ने 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम में डुबकी लगाने का दावा किया। इसके साथ अब तक 37.54 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। वसंत पंचमी पर पूरी दुनिया एक तट पर एकता के महाकुंभ को परिभाषित करती रही। इस अनंत प्रेम, बंधुत्व के प्रवाह का संत–भक्त, कल्पवासी सभी साक्षी बने। रात 12 बजे के बाद से ही वसंत की डुबकी लगने लगी। अमेरिका से आई प्रेममई साई मां लक्ष्मी के साथ डेनिल, डेनियल ट्वेन, रूस के हमजातोव, लूलिया गले में रुद्राक्ष की माला और तुलसी की लटदार कंठी पहनकर संगम पर मुस्कुराते पहुंचे। वहीं, डिजिटल बाबा रामशंकर अमृत स्नान के दृश्यों को जीवंत बना रहे थे, तो साध्वियां इस आभा को और चटख बना रही थीं। अमेरिका की ही पूर्व सैन्य अधिकारी हाना और अर्जेंटीना के मार्कवेल भी नागा संन्यासियों के समूह के पीछे दीवाने बनकर दौड़ते रहे। इसी तरह कई देशों के साधु और श्रद्धालु जय श्री राम, हर हर गंगे, हर हर महादेव का जयकारा लगाते सनातन के रंग को गाढ़ा बना रहे थे। पांच बजे भोर में संगम जाने वाले अखाड़ा मार्ग के दोनों तरफ व वॉच टावर से लेकर संगम अपर और संगम लोअर मार्ग के दोनों ओर की चकर्ड प्लेट सड़कों की पटरियों पर तिल रखने की जगह नहीं बची। त्रिवेणी पांटून पुल से संगम जाने वाले मार्ग पर ढोल, ताशे के बीच शाही सवारियों का हर किसी को इंतजार था। चाहे लाल मार्ग हो या काली मार्ग या फिर त्रिवेणी मार्ग, हर तरफ से लोग झूमते, ठिठकते संगम में डुबकी लगाने पहुंचे। अब 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा स्नान है। संगम तट भारतीय और विदेशी श्रद्धालुओं से पूरी तरह से भर गया। आस्था का ऐसा संगम हुआ कि संगम की रेत तक नजर नहीं आ रही थी। हर तरफ सिर्फ सिर ही सिर नजर आ रहे थे। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, केरल, आंध्र प्रदेश समेत हर राज्य, हर जाति पंथ के लोग थे। विदेशी श्रद्धालुओं ने संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। अमेरिकी, इस्राइली, फ्रांसीसी समेत कई अन्य देशों के भक्तों ने डुबकी लगाकर सनातन की संस्कृति को साझा किया। महाकंभ में सनातन परंपरा को मनाने वाले शैव, शाक्त, वैष्णव, उदासीन, नाथ, कबीरपंथी, रैदासी से लेकर भारशिव, अघोरी, कपालिक सभी पंथ और संप्रदायों के साधु, संत एक साथ मिलकर अपने–अपने रीति–रिवाजों से पूजन–अर्चन और गंगा स्नान कर रहे थे। संगम तट पर लाखों की संख्या में कल्पवास करने वाले श्रद्धालु देश के कोने–कोने से पहुंचे। अलग–अलग जाति, वर्ग, भाषा को बोलने वाले साथ मिलकर महाकुंभ की संस्कृति को साकार करते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को महाकुंभ पहुंचेंगे और संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगे। माना जा रहा है कि मोदी प्रयागराज को बड़ी सौगात दे सकते हैं।

हरिद्वार कुंभ में मिलने का वादा...त्रिशूल, चिमटा समेटने लगे नागा संन्यासी

प्रयागराज। सोमवार को तीसरे स्नान के बाद से नागा संन्यासियों ने अपना समान एकत्र करना शुरू कर दिया। निरंजनी, महानिर्वाणी एवं जूना अखाड़े के बाहरी पटरी पर पिछले 22 दिनों से धूनी रमाए नागा संन्यासी अपना सामान समेटने लगे।

अंतिम अमृत स्नान पूरा होने के साथ ही अखाड़ों में अब विदाई का दौर आरंभ हो गया। छावनी में कढ़ी पकौड़ी की परंपरागत पंगत के बाद सभी साध ु–महात्मा एक दूसरे से विदा लेकर काशी रवाना हो जाएंगे। अचला सप्तमी के बाद अलग–अलग अखाड़ों में कढ़ी पकौड़ी होगी। सबसे पहले शैव अखाड़े के संन्यासी विदाई लेंगे। उसके बाद अनी एवं उदासीन अखाड़ों के साधु–संत विदा होंगे। हालांकि, अखाड़ों की धर्मध्वजा महाशिवरात्रि के बाद ही छावनी से उतारी जाएगी। अब सभी अखाड़ों की अगली मुलाकात दो साल बाद हरिद्वार अर्द्धकुंभ में होगी। सोमवार को तीसरे स्नान के बाद से नागा संन्यासियों ने अपना समान एकत्र करना शुरू कर दिया। निरंजनी, महानिर्वाणी एवं जूना अखाड़े के बाहरी पटरी पर पिछले 22 दिनों से धूनी रमाए नागा संन्यासी अपना सामान समेटने लगे। धूनी के साथ जमीन पर गड़ा चिमटा उखाड़कर उसे कपड़े से बांध लिया। त्रिशूल एवं तलवार भी बक्से में रख ली।

निरंजनी अखाड़ा के नागा संन्यासी महेंद्र पुरी के मुताबिक, कढ़ी–पकौड़ी के बाद धूनी भी ठंडी कर देंगे। पिछले करीब एक माह से श्रद्धालुओं को आशीष बांट रहे नागा संन्यासी अब यहां से जाने के लिए ट्रक, ट्रैक्टर एवं वाहनों के बंदोबस्त में लगे हैं। उनका कहना है कि अचला सप्तमी तक अधिकांश संन्यासी यहां से चले जाएंगे। अनी अखाड़े के संन्यासी धूना तपस्या पूरी करके के साथ ही त्रिजटा स्नान को यहां ठहरेंगे।

अमेरिका की आबादी से अधिक लोगों ने अब तक संगम में लगाई डुबकी, आखिरी अमृत स्नान से पहले बना रिकॉर्ड

प्रयागराज। वसंत पंचमी के बाद महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 37 करोड़ पार कर गई। वसंत पंचमी अमृत स्नान पर्व पर शाम छह बजे तक ही 2.33 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। वहीं, रविवार तक कुल 34.97 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे।

महाकुंभ के दौरान संगम में डुबकी लगाने वालों की संख्या विश्व के तीसरी सबसे बड़ी आबादी वाले देश अमेरिका से भी अधिक हो गई है। अमेरिका की जनसंख्या 34.11 करोड़ है। जबकि, संगम में रविवार को ही 34.97 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके थे। सोमवार को तो स्नान करने वालों का आंकड़ा 37 करोड़ पार कर गया।

विश्व में भारत की आबादी सबसे अधिक 1.42 अरब से ज्यादा है। इसके बाद चीन की जनसंख्या 1.41 अरब से अधिक है। वहीं, तीसरे नंबर पर अमेरिका है जिसकी जनसंख्या 34.11 करोड़ है। मेला प्राधिकरण से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, रविवार तक महाकुंभ में 34.97 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे।

वसंत पंचमी के बाद महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 37 करोड़ पार कर गई। वसंत पंचमी अमृत स्नान पर्व पर शाम छह बजे तक ही 2.33 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। वहीं, रविवार तक कुल 34.97 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। इस तरह से सोमवार को शाम छह बजे तक 37.30 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। इसके बाद भी संगम व अन्य घाटों पर स्नान का क्रम लगातार जारी था।

वसंत पंचमी पर संगम तट पर भक्ति की लहरों में डूबने के लिए समूचा विश्व पौ फटने से पहले ही आतुर हो उठा। महाकुंभ के तीसरे और आखिरी शाही स्नान पर्व की वसंती छटा इसी तरह दुनिया को अपने मोहपाश में बांधती नजर आई। मेला प्रशासन ने 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम में डुबकी लगाने का दावा किया।

वसंत पंचमी पर पूरी दुनिया एक तट पर एकता के महाकुंभ को परिभाषित करती रही। इस अनंत प्रेम, बंधुत्व के प्रवाह का संत–भक्त, कल्पवासी सभी साक्षी बने। रात 12 बजे के बाद से ही वसंत की डुबकी लगने लगी। अमेरिका से आई प्रेममई साई मां लक्ष्मी के साथ डेनिल, डेनियल ट्वेन, रूस के हमजातोव, लूलिया गले में रुद्राक्ष की माला और तुलसी की लटदार कंठी पहनकर संगम पर मुस्कुराते पहुंचे।

वहीं डिजिटल बाबा रामशंकर अमृत स्नान के दृश्यों को जीवंत बना रहे थे, तो साध्वी के वेश में सुंदरिया उस वसंती आभा को और चटख बना रही थीं। अमेरिका की ही पूर्व सैन्य अधिकारी हाना और अर्जेंटीना के मार्कवेल भी नागा संन्यासियों के समूह के पीछे दीवाने बनकर दौड़ते रहे। इसी तरह कई देशों के साधु और श्रद्धालु जय श्री राम, हर हर गंगे, हर हर महादेव का जयकारा लगाते सनातन को रंग को गाढ़ा बना रहे थे।

पांच बजे भोर में को संगम जाने वाले अखाड़ा मार्ग के दोनों तरफ से लेकर वाच टावर से लेकर संगम अपर और संगम लोअर मार्ग के दोनों तरफ की चकर्ड प्लेट सड़कों की पटरियों पर तिल रखने की जगह नहीं बची। त्रिवेणी पांटून पुल से संगम जाने वाले मार्ग पर ढोल, ताशे के बीच शाही सवारियों का हर किसी को इंतजार था। चाहे लाल मार्ग को या काली मार्ग या फिर त्रिवेणी मार्ग, हर तरफ से लोग झूमते, ठिठकते संगम में डुबकी लगाने पहुंचे।

2700 सीसीटीवी कैमरे से की गई महाकुंभ में वसंत पंचमी स्नान पर्व पर निगरानी

40 अफसरों ने संभाली स्नान पर्व की जिम्मेदारी

12 किमी लंबे तट के 42 घाटों पर वसंत की डुबकी लगाकर धन्य हुई दुनिया

10.25 घंटे तक लगातार चला अमृत स्नान

संगम तट भारतीय और विदेशी श्रद्धालुओं से पूरी तरह से भर गया। आस्था का ऐसा संगम हुआ कि संगम की रेत तक नजर नहीं आ रही थी। हर तरफ सिर ही सिर नजर आ रहे थे। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, केरल, आंध्र प्रदेश समेत हर राज्य, हर जाति –पंथ के लोग थे। विदेशी श्रद्धालुओं ने संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062